RNI No. 62592/95
email: u.p.observer@gmail.com

यू.पी.ऑब्ज़र्वर
साप्ताहिक

मोदीनगर (गाजियाबाद) वर्ष : 31 अंक : 45 सोमवार 3 से 9 फरवरी, 2025 पृष्ठः 8 मूल्य : ₹3/=

अहंकार के रूपांतरण और सहजता के सायुज्य का प्रतीक है वसंत पंचमी... ...2

दिल्ली में वोटिंग से पहले ही बिखरे झाडू के तिनके : मोदी

विशेष संवाददाता

दिल्ली में कब होगी वोटिंग?

पीएम मोदी की रैली में बड़ी संख्या में बीजेपी के कार्यकर्ता और दिल्ली के लोग पहुंचे। बता दें कि दिल्ली की सभी 70 विधानसभा सीटों पर एक चरण में पांच फरवरी को मतदान होगा और आठ फरवरी को मतगणना होगी। इसी चुनाव के नतीजे घोषित किए जाएंगे।

दक्षिणी दिल्ली। दिल्ली विधानसभा चुनाव को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को आरके पुरम के सेक्टर-12 स्थित सेंट्रल पार्क में 'विकसित दिल्ली संकल्प रैली' को संबोधित कर आम आदमी पार्टी पर जमकर हमला बोला।

उन्होंने कहा, 'बसंत पंचमी के साथ ही मौसम बदलना शुरू हो जाता है। तीन दिन बाद, 5 फरवरी को दिल्ली में विकास का नया बसंत आने वाला है। इस बार दिल्ली में भाजपा सरकार बनने जा रही है। इस बार पूरी दिल्ली कह रही है, अबकी बार भाजपा सरकार!'

पीएम मोदी ने कहा, 'गरीब हो या मध्यम वर्ग हर परिवार का जीवन खुशहाल हो ऐसी डबल इंजन की सरकार दिल्ली को मिलेगी। हमें ऐसी डबल इंजन की सरकार बनानी है जो लड़ाई झगड़े की जगह दिल्ली के लोगों की सेवा करे। बहाने बनाने की जगह दिल्ली को संवारने सजाने में ऊर्जा लगाए। आने वाले पांच वर्ष के लिए केंद्र में भाजपा की पक्की सरकार बना ली है। अब गलती से भी यहां आपदा सरकार नहीं आनी चाहिए जो दिल्ली के पांच और साल बर्बाद कर दे।'

मतदान से पहले बिखर रहे झाड़ू के तिनके

उन्होंने कहा, 'आजकल हम देख रहे हैं कैसे मतदान से पहले ही झाड़ू के तिनके बिखर रहे हैं। आप 'दा' के नेता उसे छोड़कर जा रहे हैं। वे जान चुके हैं जमीन पर जनता आपदा से कितनी नाराज है कितनी नफरत करती है। दिल्ली के लोगों के गुस्से से आपदा पार्टी इतनी घबरा गई है कि हर घंटे झूठी घोषणाएं कर रही है।'

10 साल से झूठी घोषणाओं पर वोट मांग रही आप 'दा'

प्रधानमंत्री ने आगे कहा, 'दिल्ली की जनता के सामने आपदा वालों का नकाब उतर चुका है। आजकल दिल्ली की बहनें कह रही हैं दिल्ली के ऑटो वाले कह रहे हैं। आप भी आपस में चर्चा करते हैं कि 10 साल से यह आपदा वाले बार बार उन्हीं झूठी घोषणाओं पर वोट मांग रहे हैं। अब ये झूठ नहीं सहेंगे। एक तरफ आपदा की झूठी घोषणाएं हैं दूसरी तरफ आपका सेवक मोदी की गारंटी है। मोदी की गारंटी की यानी गारंटी पूरा होने की गारंटी। मोदी जो भी कहता है वह करके दिखाता है।"

पीएम मोदी के संबोधन की प्रमुख बातें-

- हर परिवार खुशहाल हो ऐसी डबल इंजन सरकार दिल्ली में बनेगी, दिल्ली के विकास में ऊर्जा लगाए ऐसी सरकार बनेगी। अब भाजपा की पक्की सरकार बनानी है।
- गलती से भी यहां आपदा सरकार नहीं आनी चाहिए।
- दिल्ली के लोगों के गुस्से से आपदा पार्टी इतनी डर रही है कि हर घंटे झूठी घोषणा कर रही है। आपदा पार्टी का नकाब उतर चुका है, 10 साल से आपदा वाले झूठी घोषणा पर वोट मांग रहें हैं। अब दिल्ली वाले झूठ नहीं सहेंगे।
- कल का बजट जनता-जनार्दन का बजट है, आज भारत की अर्थव्यवस्था 5वें नंबर पर पहुंच चुकी है। भाजपा सरकार देशवासियों का पैसा देश की भलाई और कल्याण में लगा रही है।
- बजट लागू होने के बाद कपड़े, जूते, टीवी और मोबाइल सहित अन्य चीजों की कीमतें कम होंगी, देश के विकास में मध्यम वर्ग का बहुत योगदान है, ये बजट भारत के इतिहास में सबसे फ्रेंडली बजट है।
- ये बजट ऐसा है हिंदुस्तान का हर परिवार खुशियों से भर गया है, हमारी सरकार ने 12 लाख की आय पर टैक्स जीरो कर दिया, इससे मध्यम वर्ग के हजारों रुपये बचेंगे, दिल्ली के मध्यम वर्ग के लोगों की जेब में लाखो रुपये आने वाले है, इससे पहले इतनी बड़ी राहत कभी नहीं मिली।
- अगर नेहरू के जमाने में 12 कमाते होते तो एक चौथाई सैलरी सरकार ले लेती, अगर इंदिरा की सरकार होती तो 12 लाख आय पर 10 लाख टैक्स में चले जाते। कांग्रेस की सरकार सिर्फ अपना खजाना भरने के लिए टैक्स लगती थी।
- प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार ने 8वें वेतन आयोग से सैलरी और पेंशन बढ़ेगी।
- दिल्ली में भाजपा सरकार बुजुर्गों के लिए वरदान साबित होने वाली है, हमारी सरकार बनने पर ढाई हजार पेंशन मिलेगी और 8 तारीख के बाद दिल्ली के बुजुर्ग के इलाज का खर्चा उनका बेटा मोदी उठाएगा।
- ये आपदा वाले तो आपके इलाज, अस्पताल और दवाई में भी घोटाला करते है, मैं वादा करता हूं जिन्होंने दिल्ली को लूटा है, उन्हें लौटाना पड़ेगा।
- दिल्ली में कई गंभीर बीमारियों का उपचार सस्ता होने वाला है, बजट में हर सेक्टर के लिए बड़ी घोषणाएं की गई है।
- आपदा और कांग्रेस ने दिल्ली वालों से धोखा किया है, कांग्रेस के कॉमनवेल्थ घोटाले को दिल्ली वाले नहीं भूल सकते।
- जिनको कोई नहीं पूछता, उनको मोदी पूजता है।
- हम हर घोषणा के लिए जीवन भी खपा देते हैं, सिर्फ घोषणा के लिए घोषणा नहीं करते।
- मैं गारंटी देता हूं कि दिल्ली में एक भी झुग्गी नहीं टूटेगी, जनहित की योजनाओं को बंद नहीं किया जाएगा, ये आपदा झूठ फैला रही है।
- पूर्वांचल के लोगों ने मुझे सांसद बनाया और उन्होंने मुझे प्रधानमंत्री बनाया, कांग्रेस ने बिहार को हमेशा अनदेखा किया, पूर्वांचल और बिहार की बेहतरी के लिए काम किए जाएंगे। अब इससे भी आपदा पार्टी और कांग्रेस को दिक्कत है।
- ये आपदा वाले बिहार को मिले प्रोजेक्ट को लेकर बहुत परेशान हैं, मैं तीसरी बार देश की सेवा कर पा रहा हूं तो इसमें माताओ, बहनों और बेटियों की बड़ी भूमिका है, सरकार देश की बेटियों को दो करोड़ तक का लोन देगी।
- आपदा ने यमुना का क्या हाल बना दिया। इसे पूरा देश देख रहा है, बीमारी के कारण बच्चे स्कूल नहीं जा पा रहे, प्रदूषण की वजह से दुकानदारों को बड़ा नुकसान होता है,
- दिल्ली वालों को ऐसे संकट से भाजपा ही निकलेगी।
- पांच फरवरी दूर नहीं है, अब हमें मौका चूकना नहीं है, भाजपा का कार्यकता हर वोटर तक मोदी का प्रणाम और नमस्कार पहुंचाए। दिल्ली में भाजपा की विजय निश्चित है, आपदा को हटाएंगे, भाजपा को लाएंगे।

12 लाख तक की कमाई 'कर मुक्त' करने पर वित्त मंत्री बोलीं, हमने मध्यम वर्ग के लोगों की आवाज सुनी

नई दिल्ली। व्यक्तिगत आयकरदाताओं को कर में सबसे बड़ी छूट देने के बाद वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा, हमने मध्यम वर्ग के लोगों की आवाज सुनी है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रविवार को अब्राहम लिंकन को उद्धत करते हुए आम बजट 2025-26 को 'लोगों द्वारा, लोगों के लिए, लोगों का' बताया।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी करों में कटौती के विचार के पूरी तरह समर्थन में थे, लेकिन नौकरशाहों को समझाने में समय लगा। सीतारमण ने एक साक्षात्कार में कहा, हमने मध्यम वर्ग की आवाज सुनी है, जो ईमानदार करदाता होने के बावजूद अपनी आकांक्षाओं की पूर्ति न होने की शिकायत कर रहे थे।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रुपये की गिरावट को लेकर की जा रही आलोचनाओं को खारिज करते हुए कहा कि रुपये में अस्थिरता केवल डॉलर के मुकाबले है। अन्य सभी मुद्राओं की तुलना में रुपये ने अधिक स्थिर तरीके से व्यवहार किया है। डॉलर मजबूत हो रहा है, इसलिए रुपये में अस्थिरता दिखाई दे रही है।

उन्होंने कहा कि पिछले कुछ महीनों में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये में तीन प्रतिशत की गिरावट चिंता का विषय है क्योंकि इससे आयात महंगा हो गया है, लेकिन यह सही नहीं है कि इसकी विनिमय दर में चौतरफा गिरावट आई है। लेकिन उन्होंने इस आलोचना को खारिज कर दिया कि स्थानीय मुद्रा में व्यापक कमजोरी आई है। मैं रुपये की विनिमय दर में गिरावट से चिंतित हूं लेकिन मैं इस आलोचना को स्वीकार नहीं करूंगी कि अरे रुपया कमजोर हो रहा है! हमारी वृहद आर्थिक बुनियाद मजबूत है। अगर बुनियाद कमजोर होती, तो रुपया सभी मुद्राओं के मुकाबले स्थिर नहीं होता।

पिछले कुछ महीनों में भारतीय रुपया दबाव में बना हुआ, लेकिन यह अपने एशियाई और वैश्विक समकक्षों के मुकाबले अमेरिकी डॉलर के खिलाफ सबसे कम अस्थिर (वोलाटाइल) मुद्रा बनी हुई है। हाल में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये के रिकॉर्ड निचले स्तर पर आने का कारण व्यापार घाटे में बढ़ोतरी के अलावा अमेरिकी फेडरल रिजर्व के 2025 में ब्याज दर में कम कटौती के संकेत के बाद डॉलर सूचकांक में उछाल है। खबरों के मुताबिक, भारतीय रिजर्व बैंक ने रुपये को हाजिर बाजार (स्पॉट मार्केट) में तेज गिरावट से बचाने के लिए अपने विदेशी मुद्रा भंडार से 77 अरब अमेरिकी डॉलर खर्च किए हैं।

वित्त मंत्री ने कहा कि, रुपये में जो अस्थिरता है, वह डॉलर के मुकाबले है। रुपया किसी भी अन्य मुद्रा की तुलना में कहीं अधिक स्थिर रहा है। डॉलर के मजबूत होने से रुपये में अस्थिरता देखने को मिल रही है। उन्होंने कहा, आरबीआई उन तरीकों पर भी विचार कर रहा है, जिनसे वह भारी उतार-चढ़ाव के कारणों को दुरुस्त करने के लिए ही बाजार में हस्तक्षेप करेगा। इसलिए हम सभी स्थिति पर करीब से नजर रख रहे हैं। वित्त मंत्री ने रुपये की अस्थिरता और विनिमय दर में गिरावट को लेकर आलोचना करने वालों के बारे में कहा कि वे दलील देने में जल्दबाजी दिखा रहे हैं।

महाकुंभ में भगदड़: सीएम योगी ने कहा- हादसे के जिम्मेदारों पर गिरेगी गाज, पुलिसकर्मियों पर हो सकती है कार्रवाई

संतों के धैर्य के आगे सनातन विरोधी विफल : सीएम

मौनी अमावस्या हादसे के बाद पहली बार महाकुंभ पहुंचे सीएम योगी ने कहा कि संतों के धैर्य के आगे सनातन विरोधी साजिश में विफल हो गए हैं। उन संतों का अभिनंदन करूंगा, जिन्होंने मौनी अमावस्या पर पूरा धैर्य दिखाया। कुछ पुण्यात्मा हादसे का शिकार हुई, लेकिन उन परिस्थितियों में हमारे संत एक अभिभावक के रूप में नजर आए। शनिवार को सेक्टर 22 में संतोष दास सतुआ बाबा और स्वामी राम कमलाचार्य के पट्टाभिषेक में पहुंचे सीएम योगी ने कहा कि 19 दिनों में 32 करोड़ से अधिक श्रद्धालु डुबकी लगाकर पुण्य के भागीदार बने हैं। कुछ लोग गुमराह करके सनातन धर्म के हर मुद्दे पर षड्यंत्र करने से बाज नहीं आते हैं। राम जन्मभूमि से लेकर आज तक, उनका व्यवहार और चरित्र जग जाहिर है। ऐसे लोगों से सावधान होकर सनातन धर्म के आदर्शों और मूल्यों के साथ हमें आगे बढ़ना होगा।

लखनऊ। मौनी अमावस्या स्नान पर्व पर हादसे के जिम्मेदार और शिथिलता बरतने वाले अफसरों व कर्मचारियों पर गाज गिरनी तय है। इसमें ज्यादातर पुलिसकर्मियों के होने की बात कही जा रही है। सीएम योगी ने ऐसे लोगों को चिह्नित कर कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।

सीएम ने आईसीसीसी में वसंत पंचमी स्नान पर्व की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने पर्व पर व्यवस्थाओं को जीरो एरर रखने के निर्देश दिए। कहा कि इस अवसर पर अखाड़ों की पारंपरिक शोभायात्रा धूमधाम से निकलेगी। इसकी तैयारियां समय से कर ली जाएं। संतगण, कल्पवासी, श्रद्धालु और पर्यटकों की सुरक्षा व सुविधा सुनिश्चित होनी चाहिए। किसी भी स्तर पर चूक की गुंजाइश नहीं होनी चाहिए।

कम से कम चलें स्नानार्थी, बढ़ाएं पार्किंग स्थल

सीएम योगी ने कहा कि पार्किंग स्थल बढ़ाए जाएं। ऐसी व्यवस्था करें कि श्रद्धालुओं को कम से कम चलना पड़े। उन्होंने महत्वपूर्ण स्थलों पर एसपी लेवल के अधिकारियों को ट्रैफिक व्यवस्था की जिम्मेदारी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। कहीं भी जाम की स्थिति न बनने दें।

जहां समस्याएं, वहां जाएं वरिष्ठ अफसर

मुख्यमंत्री ने कहा कि जिन सेक्टरों से ज्यादा शिकायतें आ रही हैं, वहां वरिष्ठ अधिकारी खुद जाएं। वरिष्ठ अधिकारियों को टीम के साथ ड्यूटी पर लगाएं। उनके लिए वहीं टेंट और खाने-पीने की व्यवस्था करें। कहीं भी भीड़ एक-दूसरे को क्रॉस करती नजर न आए। दो अधिकारी कंट्रोल रूम से निगरानी करें। बाकी सीमा, शहर और मेला क्षेत्र में व्यवस्था दुरुस्त करें। दो और तीन फरवरी हमारे लिए चुनौतीपूर्ण होगी। प्रमुख स्नान पर्वों और उसके पहले व बाद में कोई वीआईपी प्रोटोकॉल नहीं लागू होगा।

बिहार, पूर्वी यूपी से आएगी भीड़

सीएम ने कहा, वसंत पंचमी पर पूर्वी यूपी, बिहार और नेपाल से बड़ी संख्या में श्रद्धालु आएंगे। इसे देखते हुए व्यवस्थाएं की जाएं। वहीं, उन्होंने झूंसी क्षेत्र के आसपास रहने वाले संदिग्ध लोगों के पुलिस सत्यापन पर भी जोर दिया। कहा कि अतिक्रमण भी दुर्घटना का कारण बनता है। ऐसे में स्ट्रीट वेंडर्स सड़क पर न दिखाई दें।

स्वामी अवधेशानंद, राम भद्राचार्य ने की सीएम की सराहना

महाकुंभ नगर। जूना पीठाधीश्वर आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरि ने कहा कि जब से योगी आदित्यनाथ यूपी की सत्ता में आए हैं, तब से सनातन का सूर्य पूरे विश्व को आलोकित कर रहा है। तुलसी पीठाधीश्वर जगद्गुरु रामानंदाचार्य राम भद्राचार्य ने कहा कि अब राम कमलाचार्य से जगद्गुरु स्वामी राम कमलाचार्य और संतोष दास जगद्गुरु विष्णु स्वामी संतोष दास महाराज सतुआ बाबा होंगे।

EASY|SOLAR®

दीजिये अपने घर को सौर ऊर्जा और मुफ़्त बिजली का उपहार
जुड़िये प्रधानमंत्री - सूर्य घर मुफ़्त बिजली योजना से

"इस योजना से अधिक आय, कम बिजली बिल और लोगों के लिए रोजगार सृजन होगा।"
- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

आज ही सब्सिडी का लाभ उठाए

संयंत्र की क्षमता	केन्द्र सरकार का अनुदान (रु.)	राज्य सरकार का अनुदान (रु.)	कुल अनुमन्य अनुदान (रु.)	संयंत्र की अनुमानित लागत (रु.)	उपभोक्ता का प्रभावी अंशदान (रु.)
3KW	₹78,000	₹30,000	₹108000	₹180000	₹72000
5KW	₹78,000	₹30,000	₹108000	₹275000	₹167000
8KW	₹78,000	₹30,000	₹108000	₹400000	₹292000
10KW	₹78,000	₹30,000	₹108000	₹500000	₹392000

बहेतर कल के लिए
ईजी सोलर के साथ कदम बढ़ाए।

@ 7%* Rate of Interest P.A
Subsidy From Government

1800 313 333 333
www.easysolarsolutions.com

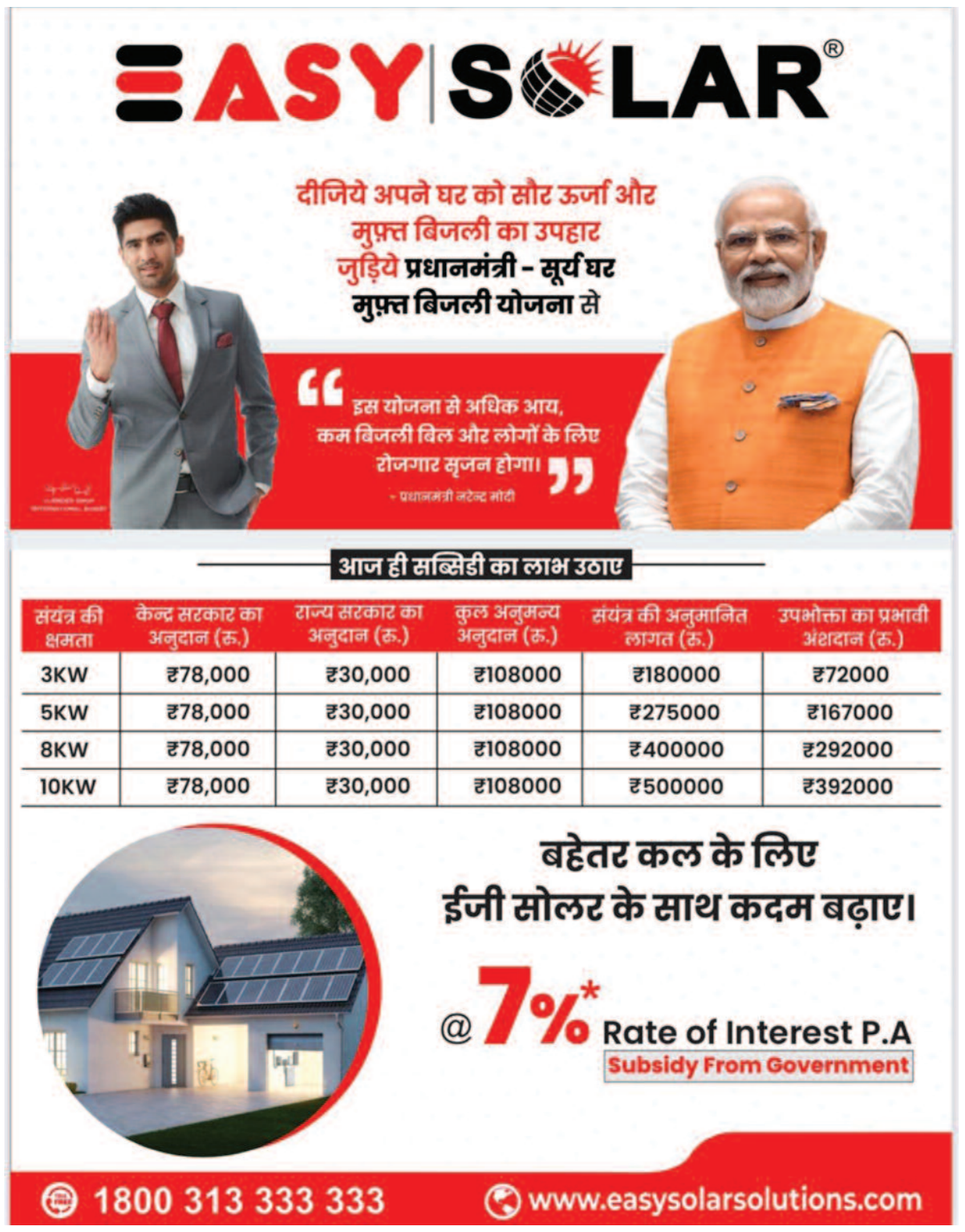

अहंकार के रूपांतरण और सहजता के सायुज्य का प्रतीक है

वसंत पंचमी का त्रिवेणी अमृत स्नान

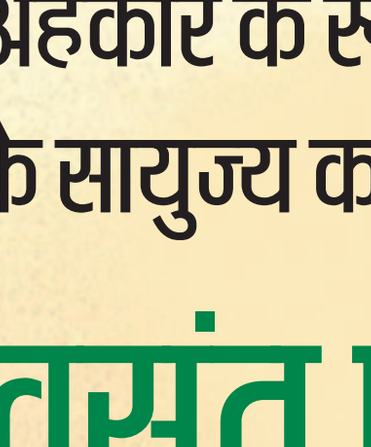

आचार्य चंद्रशेखर शास्त्री
अधिष्ठाता,
श्री पीतांबरा विद्यापीठ सीकरीतीर्थ
अखिल भारतीय अध्यक्ष,
राष्ट्रीय ज्योतिष परिषद

वसंत ऋतु की माघ शुक्ल पंचमी का वैदिक और पौराणिक महत्व है। ऋतुओं की चार संधियों में से एक माघ संधि में गुप्त नवरात्रों का विशेष दिन है वसंत पंचमी यह ऋतु परिवर्तन का काल है...ऊजाओं से रक्त तक नवीनता का संचार होता है....प्रकृति से पुरुष तक सब उल्लास में होते हैं।

भारत पर्वों का देश है...यहां सनातन संस्कृति पल पल आनंद में उल्लसित रहती है...जिससे सकारात्मक ऊजाएं मानव को सर्व कल्याण की भावनाओं में संलग्न रखती हैं। वैदिक शास्त्रों के अनुसार मनुष्य के जीवन में चार अवस्थाएं आती हैं। जिन्हें आश्रम भी कहा गया है। ब्रह्मचर्य, गृहस्थ, वानप्रस्थ और संन्यास...संन्यास अंतिम आश्रम है और यह जीवन भर किए गए कार्यों के प्रति सिंहावलोकन करके ईश्वर की शरण में जाना है...

संन्यास का शाब्दिक अर्थ है, सबको बराबर देखना...सबके लिए समान भाव रखना, सबके लिए समान रहना...जो सहज होने पर ही संभव है। तभी वास्तविक संन्यास अन्तस में घटता है। इसलिए संन्यासी को प्रतिक्षण सहज रहने के लिए परम ज्ञान की आवश्यकता होती है, जो मां सरस्वती की कृपा के बिना संभव नहीं है....

भगवान श्रीकृष्ण ने गीता में कहा था कि वेदानां सामवेदोऽस्मि' (10/22) अर्थात् वेदों में मैं सामवेद हूँ....सामवेद गायन किए जाने वाला वेद है, जिसे बिना सारस्वत उपासना के नहीं समझा जा सकता है और न ही छंदशास्त्र को समझे गाया जा सकता है। वेदों की ऋचाओं में ध्वनि का आरोह अवरोह होता है, जिसे जानने के लिए मां सरस्वती की कृपा अत्यंत आवश्यक होती है।

वसंत पंचमी को ज्ञान की देवी सरस्वती का प्राकट्य माना जाता है। सरस्वती के प्रगट होने पर देवताओं ने उनकी स्तुति की...वेदों की ऋचाएं प्रगट हुईं और छंद शास्त्र का उदय हुआ...वीणा की मधुर ध्वनि से राग उपजे....राग वसंत इसी दिन आरम्भ हुआ....मां सरस्वती के प्राकट्य के बाद उनकी वीणा से निकले संगीत से प्रकृति झंकृत होती है और उमंगों, तरंगों से झिलमिलाने लगती है। पुष्प खिलने लगते हैं, वनस्पतियां नया रूप धारण करने लगती हैं, ज्ञान का उत्कर्ष होता है और आनंद का उत्सव मनता है...यह ऋतुराज वसंत के आगमन का सूचक होता है....

कालिदास ने उसे बहुत सुंदर शब्दों में कहा है -

द्रुमाः सपुष्पाः सलिलं सपद्मं स्त्रियः सकामाः पवनः सुगन्धिः।
सुखाः प्रदोषाः दिवसाश्च रम्याः सर्वं प्रियं चारुतरं वसन्ते।।

अर्थात् वसंत ऋतु में वृक्ष पुष्पों से शोभायमान हो जाते हैं और तडाग और झीलों में कमल खिलने लगते हैं। स्त्रियां कामना से युक्त हो जाती हैं और वायुमंडल में सुगंध बहने लगती है। सूर्योदय और सूर्यास्त मनोहर लगते हैं। दिन बहुत अच्छा बीतता है। क्योंकि सुंदरता, सुगंध, और सुख का अनुभव होता है। इसीलिए वसंत को ऋतुराज कहा जाता है। हर ओर हरितिमा और पीले पुष्पों देखकर मन प्रसन्न रहता है।

स्नान क्या है!

प्रकृति के आनंद काल में ज्ञान की उत्पत्ति होती है...मां सरस्वती की विशेष कृपा होती है, पाप नष्ट होते हैं और मन तप के लिए उद्यत होता है....उसी की पूर्ति के लिए मनुष्यमात्र, जिसमें चारों आश्रम और सभी वर्ण जातियां एक होकर, शुद्ध होकर उस ज्ञान, कला और संगीत की देवी की उपासना करते हैं, जिससे ज्ञान प्राप्त करके अपने कर्तव्यो का पालन करते हुए मुक्ति का मार्ग पा सकें। स्नान उसी मार्ग पर चलने का पहला चरण है..... !

भगवान श्रीकृष्ण ने कहा था - अद्भिर्गात्राणि शुध्यन्ति...मनः सत्येन शुध्यति.... अर्थात्

जल से शरीर की शुद्धि होती है और सत्य से मन की...बिना दोनों की शुद्धि के ज्ञान और सहजता एक साथ न रह सकेंगे...क्योंकि ज्ञान का अहंकार सहजता को नष्ट कर देगा, इसलिए ज्ञान की देवी के शरणागत होने से ही अहंकार रूपांतरित होकर सहजता में अंतर्निहित हो जाता है।

संगम पर ही स्नान क्यों महत्वपूर्ण है!

ऋग्वेद के आठवें मंडल इस पर बहुत गहन अर्थ की ऋचा है -
उपह्वरे गिरीणां संगमे च नदीनांधिया विप्रो अजायत।।

अर्थात् पर्वतों की गुहाओं में और नदियों के संगम पर मनुष्य की मेधा जाग्रत होती है...उसकी सकारात्मक ऊर्जा चेतना से संवाद करने लगती है और वह ज्ञान को प्राप्त होता है...।

सनातन संस्कृति वेदों की संस्कृति है। वेदों का कथन पूर्ण सत्य होता है। इसलिए स्वस्थ मनोमस्तिष्क की प्राप्ति और ज्ञानवर्धन के लिए त्रिवेणी स्नान अत्यंत महत्वपूर्ण है।

साधु संतों को प्रथम स्नान क्यों!

क्योंकि सनातन में संन्यास का सर्वोच्च सम्मान होता है, इसलिए तीर्थस्नान में भी उसी को प्राथमिकता दी जाती है। इसलिए साधु संन्यासी अमृत स्नान करते हैं। उनके पवित्र तप से जल भी विशेष सकारात्मक ऊर्जा से परिपूर्ण हो जाता है और उस जल में विशेष दैवीय गुणों का प्रभाव बढ़ जाता है। इसलिए तपस्वी संत पहले स्नान करते हैं और जन सामान्य उनके बाद स्नान करते हैं।

वास्तव में यह अमृत स्नान है। क्योंकि कुंभ पर्व का अमृत से महत्वपूर्ण जुड़ाव है। मुगल काल में इसका नाम शाही स्नान पड़ गया था तो यही शब्द प्रचलित हो गया।

त्रिवेणी का महत्व!

नदियों के संगम पर प्रवाहित विशेष आध्यात्मिक ऊर्जा को प्राप्त करने के लिए वैदिक काल से ही प्रयाग स्नान करने के उल्लेख शास्त्रों में मिलते हैं। जहां पवित्र जल की तीन धाराएं एकसाथ मिलती हैं, वह स्थान प्रयाग कहलाता है। भारत में नदियों के संगम पर अनेक प्रयाग स्थित हैं। जैसे उत्तराखंड में पंच प्रयाग देवप्रयाग, रुद्रप्रयाग, कर्णप्रयाग, नन्दप्रयाग, तथा विष्णुप्रयाग मुख्य नदियों के संगम पर स्थित हैं। गंगा, यमुना और सरस्वती के संगम को प्रयागराज कहा गया। यह तीर्थराज प्रयाग सनातन के विशेष पर्व कुंभ के लिए जाना जाता है।

प्राप्त करें मां सरस्वती की कृपा

सनातन संस्कृति पर्वों की संस्कृति है। यहां उत्सवधर्मिता शास्त्रों के आदेश हैं...प्रतिदिन उल्लास हो, उमंग हो, जीवन तरंगित हो और सबका कल्याण हो...भारतीय संस्कृति इसी पर आधारित है। वसंत पंचमी का पर्व ज्ञान को समर्पित है, क्योंकि ज्ञान से ही मानवता का उत्कर्ष होता है।

सूर्य के मकर राशि में जाने के बाद प्रकृति के दिन का आरंभ होता है। यह ऋतु परिवर्तन का समय है।

शिशिर ऋतु जा रही है और वसंत ऋतु आ रही है...प्रकृति नव वर्ष के स्वागत में हर ओर पुष्पों से आच्छादित होने लगती है...जिससे वातावरण उमंगों से भर जाता है...

क्योंकि जीवन को सर्वप्रथम ज्ञान की आवश्यकता होती है। शास्त्रों ने कहा है कि ज्ञानेन हीनाः पशुभिः समानाः अर्थात ज्ञान से हीन मनुष्य पशु के समान होता है। इसलिए पवित्र माघ मास में जागृत दैवीय शक्तियों की उपासना साधना और व्रतों का विधान किया जाता है...इस मास में शक्ति के गुप्त नवरात्र के अंतर्गत शुक्ल पक्ष की पंचमी को ज्ञान, कला और संगीत की अधिष्ठात्री देवी मां सरस्वती का पूजन किया जाता है।

मां सरस्वती धवलवस्त्र धारण करती हैं, जिसका अर्थ है सहजता और जिज्ञासा, इसलिए जिज्ञासु होना ज्ञान प्राप्त करने की पहली सीढ़ी है। मां को पीला रंग अतिप्रिय है, इसीलिए प्रकृति चहुंओर पीतपुष्पों से उनके स्वागत में रहती है। पीला रंग उत्साह, उमंग, ज्ञान, बुद्धि और सकारात्मकता का रंग है। इसलिए वसंत पंचमी को स्नानादि के पश्चात पीले वस्त्र धारण करके ललाट पर केसर चंदन का तिलक लगाएं और मां सरस्वती के विग्रह पर पीले पुष्पों की माला अर्पित करें और उनके समीप बैठकर एकाग्रचित्त होकर 'ॐ ऐं सरस्वत्यै नमः' इस मंत्र का जप करें। मां सरस्वती की कृपा से मनुष्य बुद्धिमान, ज्ञानवान और विद्वान होता है। अतः विद्यार्थियों को मां सरस्वती की विशेष उपासना करनी चाहिए। वे इस मंत्र का पाठ करें और मां का पुष्पार्चन करें।

सरस्वती नमस्तुभ्यं वरदे कामरूपिणि।
विद्यारम्भं करिष्यामि सिद्धिर्भवतु मे सदा।।
।। ॐ ऐं ह्रीं श्रीं वाग्देव्यै सरस्वत्यै नमः।।

मां सरस्वती षड्भुजा हैं, जो पुस्तक, माला, कमंडल, पुष्प और वीणा अपने हाथों में धारण किए हुए हैं। मां सरस्वती के वीणा वादन से ही चहुंओर उल्लास का वातावरण होता है। सृष्टि में आनंद की वर्षा होती है और ऋषिगण वेद मंत्रों से मां की स्तुति करते हैं। वसंत पंचमी का संबंध साहित्य कला और संगीत से भी है। क्योंकि देवता मां की स्तुति राग वसंत गायन से करते हैं। इस वर्ष मां सरस्वती शिव योग, सिद्ध योग और उत्तराभाद्रपद नक्षत्र में पधार रही हैं। शिव योग ज्ञान अध्यात्म और गूढ़ रहस्यों को जानने के लिए प्रसिद्ध है। धर्म और सेवा से जोड़ता है। जिससे मनुष्य समाज के लिए उदाहरण बनता है और सिद्ध योग सुख समृद्धि और वैभव का कारक होता है। इस योग में किए गए कार्य सफल होते हैं। व्यक्ति को मान सम्मान दिलाते हैं और उत्तराभाद्रपद नक्षत्र ज्ञान और आध्यात्मिकता का नक्षत्र है। जो आत्मनिर्भर होने में सहायता करता है और लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए कठोर श्रम भी कराता है। अतः शोध, शिक्षा, धार्मिक, आध्यात्मिक और सामाजिक क्षेत्र में कार्यरत मनुष्यों के लिए विशेष दिन है।

जन शिकायतों का निस्तारण व विभागीय कार्यों को पूर्ण तन्मयता के साथ किया जाएं: जिलाधिकारी

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। जिलाधिकारी दीपक मीणा आईएएस द्वारा कलेक्ट्रेट स्थित अपने कार्यालय पर जन सुनवाई की गयी। इस दौरान नवनियुक्त जिलाधिकारी दीपक मीणा को बधाई देने वालों की भी भीड़ लगी रही।

बधाई देने वालों से भी जिलाधिकारी दीपक मीणा द्वारा सप्रेम भेंट की गयी। जन सुनवाई के दौरान बिजली, सफाई, अवैध अतिक्रमण, पेयजल, घरेलू झगड़े, राजस्व सहित अन्य विभागों से सम्बंधित शिकायतें प्राप्त हुई। जिलाधिकारी दीपक मीणा द्वारा क्रमवार सभी की शिकायतों को सुनते हुए सम्बंधित अधिकारियों को निस्तारण करने हेतु भेजी गयी। जिलाधिकारी दीपक मीणा द्वारा सभी अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि जन शिकायतों का निस्तारण व विभागीय कार्यों को पूर्ण तन्मयता के साथ किया जाएं। जन सुनवाई के दौरान एडीएम एल/ए विवेक कुमार द्वारा भी जन शिकायतें सुनी गयी।

जिला सलाहकार समिति की बैठक आयोजित

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। गर्भधारण प्रसव पूर्व निदान तकनीक लिंग चयन प्रतिषेध अधिनियम 1994 के अन्तर्गत पंजीकरण, नवीनीकरण निरस्तीकरण, चिकित्सक की अनुमति, स्थान-परिवर्तन के आवेदनों का स्थलीय निरीक्षण कराकर के निस्तारण हेतु दुर्गावती देवी सभागार में जिला सलाहकार समिति की बैठक आहूत की गयी। जिसमें सलाहकार समिति द्वारा 11 केन्द्रों के पंजीकरण, 13 केन्द्रों के नवीनीकरण, 20 केन्द्रों पर कार्य करने हेतु चिकित्सकों की अनुमति के आवेदन एवं 17 केन्द्रों पर नई यू०एस०जी० मशीन अपडेशन, 02 केन्द्रों के स्थान परिवर्तन करने, 02 केन्द्रों के पंजीकरण न करने एवं 08 केन्द्रों के पंजीकरण निरस्त करने की संस्तुति की गयी। इस अवसर पर दीपक मीणा, जिलाधिकारी, गाजियाबाद/ समुचित प्राधिकारी, पी०सी०पी०एन०डी०टी०, अभिनव गोपाल, मुख्य विकास अधिकारी, गाजियाबाद, डा० अखिलेश मोहन, मुख्य चिकित्सा अधिकारी, गाजियाबाद, डा० अभिषेक त्रिपाठी, मुख्य चिकित्सा अधीक्षिका, जिला महिला चिकित्सालय, गाजियाबाद, डा० पंकज शर्मा, रेडियोलोजिस्ट, जिला एम०एम०जी० चिकित्सालय, गाजियाबाद, डॉ० अर्चना सिंह, बाल रोग विशेषज्ञ, जिला संयुक्त चिकित्सालय, गाजियाबाद, डॉ० रिचा त्रिपाठी, पैथोलॉजिस्ट, जिला संयुक्त चिकित्सालय, संजयनगर, गाजियाबाद, संयुक्त निदेशक अभियोजन गाजियाबाद, जिला सूचना अधिकारी, गाजियाबाद एवं डॉ० ओ०पी० अग्रवाल, एन०जी०ओ० आदि सदस्य उपस्थित रहे।

एडीएम सिटी गम्भीर सिंह ने किया सम्भागीय परिवहन कार्यालय का औचक निरीक्षण

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। शासन की मंशानुरूप जिलाधिकारी दीपक मीणा के निदेर्शानुसार अपर जिलाधिकारी नगर गम्भीर सिंह के नेतृत्व में सम्भागीय परिवहन गाजियाबाद कार्यालय का औचक निरीक्षण किया गया। सम्भागीय परिवहन अधिकारी, लर्निंग लाइसेंस अनुभाग, परमानेन्ट लाइसेंस अनुभाग, हल्के वाहन पंजीकरण अनुभाग, प्रर्वतन अनुभाग, परमिट अनुभाग के अधिकारी कर्मचारी सभी मौके पर उपस्थित पाएं गये, जो कि विभागीय कार्य कर रहे थे। एडीएम सिटी द्वारा सम्भागीय परिवहन कार्यालय के उपस्थिति पंजिका का अवलोकन किया गया, जिसमें उपस्थिति सही पाई गयी।

निरीक्षण के दौरान एडीएम सिटी गम्भीर सिंह द्वारा कार्यालय परिसर के अन्दर मौजूद व्यक्तियों से परिवहन कार्यालय में आने का कारण पूछा गया तथा उनके कागजात एवं आईडी से मिलान सही पाया गया। जिनसे पूछ-ताछ की गयी तो पाया गया कि वह अपने निजी कार्य के लिए कार्य को पूर्ण कराने की मंशा से सम्भागीय कार्यालय में आये थे।

उत्तर प्रदेश राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के सदस्यों ने की बैठक

कल्याणकारी योजनाओं को न्याय के साथ धरातल पर उतारा जाए

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। दुर्गावती देवी सभागार, विकास भवन में उत्तर प्रदेश राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के सदस्यों मेलाराम पंवार, रमेश कश्यप व प्रमोद सैनी की अध्यक्षता में बैठक आहूत हुई।

बैठक के दौरान सदस्यों द्वारा राज्य एवं केन्द्र सरकार द्वारा संचालित योजनाओं एवं पिछड़ा वर्ग के कल्याण में जनपद के सभी विभागों द्वारा किये जा रहे कार्यों के बारे में विस्तार से जानकारी ली गयी। इसके साथ ही उन्होने सभी विभाग में ऑउट सोर्सिंग कर्मचारियों की नियुक्ति में पिछड़ा वर्ग की जातियों का अनुपात के बारे में भी विस्तृत जाकनारी ली। इस दौरान उन्होने समाज कल्याण विभाग, पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग, बेसिक शिक्षा विभाग, मत्स्य विभाग, कृषि विभाग, जिला दिव्यांजन कल्याण विभाग, गाजियाबाद नगर निगम, विद्युत विभाग, प्रोबेशन विभाग, जिला प्रशासन, मत्स्य विभाग सहित अन्य विभागों से विभागवार अनुपात की जानकारी ली। उन्होने सभी विभागों से पिछड़ा वर्ग की जातियों को किस–किस योजना में लाभ प्रदान किया गया है व कितने लोग इन योजनाओं से लाभान्वित हुए हैं इसकी जानकारी प्राप्त की। उन्होने विद्यार्थियों को दी जाने वाली स्कोलरशिप, शादी अनुदान सहित अन्य योजनाओं के लाभार्थियों की संख्या से अवगत हुए, जिन विभागों द्वारा विवरण नहीं दिये गये उन्हें डीएसडब्लूओ पीयूष राय को रिपोर्ट प्रस्तुत करने हेतु निर्देशित किया। उन्होने सभी विभाग के अधिकारियों को निदेर्शित किया कि विभागीय योजनाओं में पिछड़ावर्ग के लाभार्थियों को किसी भी प्रकार लाभ से वंचित न किया जाएं। कल्याणकारी योजनाओं को न्याय के साथ धरातल पर उतारा जाएं। पिछड़ा वर्ग के लोगों को कोटे के आधार पर प्राथमिकता दी जाएं।

ग्राम मकरमतपुर सिकरोड में 30 मीटर सड़क के लिए भूमि का प्राधिकरण ने कराया बैनामा

गाजियाबाद। ग्राम मकरमतपुर सिकरोड में 30 मीटर चौड़ी सड़क निर्माण के लिए भूमि क्रय की प्रक्रिया पूर्ण की गई। यह भूमि उपाध्यक्ष अतुल वत्स के निदेर्शानुसार आपसी सहमति के आधार पर अधिग्रहित की गई। भूमि के बैनामा प्रक्रिया संपन्न होने के उपरांत शुक्रवार को उपाध्यक्ष अतुल वत्स द्वारा स्वयं लाभान्वित कृषकों को चेक वितरित किए गए। इस अवसर पर संबंधित अधिकारियों एवं ग्रामवासियों की उपस्थिति रही। यह सड़क निर्माण क्षेत्र के समग्र विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा एवं जनता को बेहतर आवागमन की सुविधा प्रदान करेगा।

जिलाधिकारी के नेतृत्व में शहीद दिवस पर दो मिनट का मौन रख, दी श्रद्धांजलि

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। कलेक्ट्रेट प्रांगण में जिलाधिकारी दीपक मीणा आईएएस के नेतृत्व में कलेक्ट्रेट के समस्त अधिकारी/कर्मचारियों द्वारा राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि (शहीद दिवस) के अवसर पर दो मिनट का मौन धारण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। श्रद्धांजलि देने वालों में एडीएम ई रणविजय सिंह, एडीएम सिटी गम्भीर सिंह, एडीएम एल/ ए विवेक कुमार, एडीएम एफ/ आर सौरभ भट्ट, एसडीएम सदर अरूण दीक्षित सहित अन्य अधिकारी व कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

बवाना विधानसभा पर मंत्री नरेंद्र कश्यप ने मोटर साइकिल रैली की रवाना

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

नई दिल्ली। दिल्ली में विधानसभा चुनाव होना है और विधानसभा चुनाव के लिए हर पार्टी अपनी ताकत लगा रही है। इसी कड़ी में भाजपा के बवाना विधानसभा सीट से प्रत्याशी रविंद्र इंद्रराज के समर्थन में बाइक रैली को निकाला गया है। जिसमे उत्तर प्रदेश सरकार के स्वतंत्र प्रभार राज्य मंत्री नरेंद्र कश्यप ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

इस दौरान बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और उनके समर्थक बाइक रैली में शामिल हुए और बाइक रैली अलग-अलग इलाकों से निकलती हुई बवाना विधानसभा सीट के प्रत्याशी रविंद्र के समर्थन में गुजरी। इस दौरान उत्तर प्रदेश सरकार के स्वतंत्र प्रभार राज्य मंत्री नरेंद्र कश्यप ने कहा है कि बवाना के लोगों ने इस बार भारतीय जनता पार्टी के साथ जाने का मन बना लिया है। दिल्ली की जनता और बवाना विधानसभा सीट के लोग भारतीय जनता पार्टी के साथ हैं और वह पार्टी के पक्ष में मतदान करने का काम करेंगे।

दिल्ली विधानसभा चुनाव में जहां पार्टी के पदाधिकारी और उत्तर प्रदेश से लेकर हरियाणा, पंजाब तक के पदाधिकारी चुनाव को संपन्न करने के लिए अपनी ताकत लगा रहे हैं। तो वही उत्तर प्रदेश सरकार के स्वतंत्र प्रभार राज्य मंत्री नरेंद्र कश्यप भी लगातार बवाना विधानसभा सीट पर चुनाव प्रचार कर रहे हैं। शुक्रवार को उन्होंने बवाना विधानसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी रविंद्र के समर्थन वाली एक बाइक रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया

इस मौके पर बाइक रैली में सैकड़ो की संख्या में युवा, महिला है और स्थानीय लोग मोटरसाइकिल व स्कूटी पर सवार हुए। सभी ने हाथों में भाजपा का झंडा लेकर उन्होंने भाजपा की विधानसभा सीट बवाना से प्रत्याशी रविंद्र इंद्राज के लिए वोट मांगने का काम किया।

उत्तर प्रदेश सरकार के स्वतंत्र प्रभार राज्य मंत्री नरेंद्र कश्यप लगातार दिल्ली चुनाव में भारतीय जनता पार्टी के बवाना सीट से प्रत्याशी के लिए समर्थन व जन समर्थन जुटाने का काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा है कि दिल्ली में विकास और कई योजनाओं के लिए भारतीय जनता पार्टी और मोदी की सरकार आवश्यक है। उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्री नरेंद्र कश्यप ने कहा है कि इस बार दिल्ली की जनता आम आदमी पार्टी के झूठे दावों और वादों पर भरोसा नहीं करेगी। इस बार दिल्ली में भाजपा का कमल खिलेगा और भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनेगी। इस दौरान बड़ी संख्या में उन्होंने पार्टी के पदाधिकारियों से वातार्लाप करते हुए भाजपा को विजय दिलाने की रणनीति भी बनाई है।

नगर आयुक्त ने शिक्षिकाओं से किया ऑनलाइन संवाद

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। गाजियाबाद नगर निगम शहर हित में लगातार कार्य कर रहा है शहर को जागरूक करने के लिए गाजियाबाद के नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक द्वारा शिक्षिकाओं को शहर की स्वच्छता से जोड़ा जा रहा है यह मुहिम सफल होती नजर आ रही है नगर आयुक्त द्वारा हिंदी भवन में 100 स्कूलों के साथ स्वच्छता का पाठ विद्यार्थियों को पढ़ने के लिए कार्यक्रम आयोजित किया गया था इसी श्रृंखला को आगे बढ़ते हुए नगर आयुक्त द्वारा ऑनलाइन भी 100 स्कूलों से ऑनलाइन संवाद भी किया गया, चिंतन एनवायरमेंटल रिसर्च एंड एक्शन ग्रुप द्वारा भी जागरूकता में सहयोग किया गया, वरिष्ठ प्रभारी स्वास्थ्य अपर नगर आयुक्त अवनींद्र कुमार द्वारा भी आज से गाजियाबाद के अधिकांश स्कूलों में स्वच्छता को लेकर विद्यार्थियों को पाठ पढ़ाया जाएगा। नगर आयुक्त द्वारा बताया गया कि जन सहभागिता किसी भी अभियान को सफल करने के लिए बहुत जरूरी है इसी प्रकार गाजियाबाद को स्वच्छ और सुंदर बनाने के लिए जन-जन को जोड़ा जा रहा है शहर की शिक्षा पद्धति से ही विद्यार्थियों को बढ़ते प्रदूषण को कम करने के लिए ज्ञान मिलेगा स्वच्छता का पाठ सभी विद्यार्थियों के लिए रोचक है जिसको अपने व्यवहार में लाकर शहर को प्रदूषण मुक्त बनाने में सहयोग होगा ऑनलाइन संवाद के दौरान प्लास्टिक बहिष्कार पर विशेष रूप से मंथन हुआ वही प्लास्टिक से होने वाली हानि तथा बचाव पर भी चर्चा हुई ठोस अपशिष्ट प्रबंधन की सभी कार्य प्रणाली को भी उपस्थित शिक्षिकाओं को समझाया गया जिसके माध्यम से सभी विद्यार्थियों को भी ठोस अपशिष्ट प्रबंधन की जानकारी होगी सभी स्कूलों में स्वच्छता की जानकारी को लेकर उत्साह है युवा पीढ़ी का यही जोश आने वाले कल को शहर को स्वस्थ और सुंदरता की ओर ले जाएगा।

केंद्रीय बजट युवा भारत के सपनों को साकार करने वाला: संजीव शर्मा

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। विधायक संजीव शर्मा ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा शनिवार को पेश 2025-26 के केंद्रीय बजट को ऐतिहासिक बजट बताया। उन्होंने कहा कि यह बजट प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संकल्पों, विकसित भारत व युवा भारत के सपनों को साकार करने वाला बजट है।

देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व व मार्गदर्शन में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने ऐतिहासिक केंद्रीय बजट प्रस्तुत किया है। विधायक संजीव शर्मा ने कहा कि बजट में हर वर्ग का ध्यान रखा गया है। यह बजट आत्मनिर्भर भारत की संकल्पना को साकार करने वाला ऐसा बजट है, जो अर्थव्यवस्था को तो गति देगा ही, साथ ही गरीब, किसान, महिला, युवा और मध्यम वर्ग के सशक्तिकरण पर भी केंद्रित है। यह बजट समाज के हर वर्ग को नई दिशा व दशा प्रदान करने का काम करेगा और देश को शीघ्र ही विश्व की तीसरी सबसे बडी अर्थव्यवस्था बनाएगा।

आम बजट में आयकर में छूट को 12 लाख होना मध्यम वर्ग के लिए बहुत शानदार है विधायक संजीव शर्मा ने कहा कि ऐसे शानदार बजट के लिए वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का समस्त प्रदेश व देशवासियों की तरफ से हार्दिक आभार प्रकट करते हैं।

पर्यावरण जागरूकता के लिए नगर निगम करेगा फ्लावर शो

कचरे से बनीं आकृतियां होगी आकर्षण का केंद्र

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक के नेतृत्व में गाजियाबाद नगर निगम इस बार फ्लावर शो करने जा रहा है जिसमें लैंडक्राफ्ट तथा हॉर्टिकल्चर फ्लोरीकल्चर सोसाइटी की अहम भूमिका रहेगी, फरवरी माह के अंतिम सप्ताह में तीन दिवसीय कार्यक्रम होगा जिसके लिए गाजियाबाद नगर निगम जोर शोर से तैयारियां प्रारंभ कर चुका है, हॉर्टिकल्चर फ्लोरीकल्चर सोसाइटी की अध्यक्ष रमा त्यागी त्यागी द्वारा नगर आयुक्त से मुलाकात की गई तथा कार्य योजना बनाई गई'

ललित जायसवाल जिनके द्वारा कई वर्षों से गाजियाबाद में फ्लावर शो का आयोजन भव्य रूप से किया जा रहा है।

इस बार गाजियाबाद नगर निगम के साथ मिलकर लैंडक्राफ्ट और भी अधिक भव्यता से फ्लावर्स शो करने के लिए योजना बना रहा है, ललित जायसवाल द्वारा बताया गया फ्लावर शो के माध्यम से शहर को पर्यावरण के प्रति जागरूक किया जाता रहा है इसी क्रम में नगर निगम के साथ इंदिरापुरम नीति खंड के स्वर्ण जयंती पार्क में फ्लावर शो का आयोजन होगा पर्यावरण जागरूकता हेतु प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी बड़े-बड़े शहरों व्यापारी भी मेले में अपना स्टॉल लगाएंगे।

रमा त्यागी द्वारा बताया गया गाजियाबाद नगर निगम लगातार शहर हित में बेहतर कार्य कर रहा है इस बार गाजियाबाद नगर निगम के साथ फ्लावर शो होगा जिसमें पर्यावरण जागरूकता हेतु कई प्रतियोगिताएं भी रखी जाएगी साथ ही कार्यक्रम में वर्कशॉप भी होगी जिससे होम कंपोस्टिंग, बाल्कनी गार्डन, ट्रे गार्डन, कचरा निस्तारण, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के बारे में जागरूक किया जाएगा। प्रभारी उद्यान डॉक्टर अनुज द्वारा बताया गया कि हर बार फ्लावर शो में गाजियाबाद नगर निगम अपनी विशेष भूमिका निभाता है इस बार गाजियाबाद नगर निगम द्वारा फ्लावर शो किया जा रहा है जो की शहर को प्लांटेशन के प्रति जागरूक करेगा, फ्लावर शो में मियावकी पद्धति से प्लांटेशन, तथा घर में ही फूलों और सब्जियों को उगाने की पद्धति को भी सिखाया जाएगा, कई सांस्कृतिक कार्यक्रम भी फ्लावर शो में होंगे।

नगर आयुक्त गाजियाबाद द्वारा बताया गया कि फ्लावर शो शहर का भव्य कार्यक्रम है जिसमें बड़ी संख्या में शहर वासी उपस्थित होंगे सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ-साथ कई वर्कशॉप भी होगी पर्यावरण से शहर को जोड़ा जाएगा हर घर को पर्यावरण के प्रति जागरूक किया जाएगा शहर की स्वच्छता और सुंदरता हर घर की जिम्मेदारी है फ्लावर शो की आयोजन से शहर वासियों को लाभ होगा कार्यक्रम में हर वर्ग को जोड़ा जाएगा।

वेस्ट से बनी आकृतियां आकर्षण का केंद्र होगी लैंडक्राफ्ट तथा हॉर्टिकल्चर फ्लोरीकल्चर सोसाइटी के संयुक्त प्रयास से कार्यक्रम को भव्यता दी जाएगी।

गाजियाबाद नगर निगम इंदिरापुरम पर विशेष फोकस कर रहा है, इसी क्रम में गाजियाबाद नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक द्वारा फ्लावर शो का आयोजन भी इंदिरापुरम में रखा गया है कार्यक्रम की आयोजन से न केवल शहर को पर्यावरण के प्रति जागरूक किया जाएगा।

बल्कि इंदिरापुरम में फ्लावर्स शो के भव्य आयोजन से क्षेत्र को भी पूर्ण रूप से सुंदर व्यवस्थित और स्वच्छ बनाने की तैयारी निगम कर रहा है जो की सराहनीय है फ्लावर शो में जनप्रीनिधियों का भी विशेष सहयोग रहेगा नगर आयुक्त द्वारा बताया गया।

यू.पी.ऑब्ज़र्वर

सम्पादकीय

30 करोड़ लोगों का सकुशल स्नान करना महत्वपूर्ण

महाकुंभ मेले में मौनी अमावस्या पर्व पर मची भगदड़ में 30 श्रद्धालुओं की मृत्यु होना बहुत दुखद खबर है। लेकिन इस हादसे के बावजूद आठ करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने उसी दिन स्नान किया और सकुशल वापस घर गये यह उत्तर प्रदेश प्रशासन की एक बड़ी उपलब्धि भी है। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज जिले की आबादी देखें तो वह लगभग 60 लाख के आसपास है। कुम्भ मेले में अब तक आ चुके श्रद्धालुओं का आंकड़ा देखें तो वह 30 करोड़ के पास पहुँचने वाला है। योगी सरकार का आकलन है कि 26 फरवरी तक चलने वाले धरती के इस सबसे बड़े मेले में 45 करोड़ के आसपास लोग आयेंगे। ऐसे में आप कल्पना करके देखिये कि इतनी बड़ी भीड़ को संभालने और उनके लिए तमाम तरह की व्यवस्थाएं करने के लिए प्रशासन ने कितने समय से कितने प्रयास किये होंगे।

भगदड़ की एक घटना को लेकर पूरी व्यवस्था पर प्रश्न उठाने वालों को यह भी देखना चाहिए कि मौनी अमावस्या से पहले ही रात को लगभग पांच करोड़ लोग सकुशल स्नान कर चुके थे और घटना के बाद भी आठ करोड़ लोगों ने सकुशल स्नान किया था। इससे पहले के अमृत स्नान के दौरान भी लगभग पांच करोड़ श्रद्धालुओं ने स्नान किया था लेकिन किसी को खरोंच तक नहीं आई थी। जिन लोगों को एक दिन में एक जगह पर आठ से दस करोड़ लोगों का स्नान करना मामूली बात लगती है उन्हें पता होना चाहिए कि यह संख्या कई देशों की कुल जनसंख्या से भी अधिक है।

आपने देखा होगा कि भगदड़ की घटना की खबर मिलते ही विपक्ष के कई नेता इतनी तेजी से बयान जारी करने लग गये थे जैसे कि वह पहले से टाइप करके रखा गया था और किसी हादसे की प्रतीक्षा की जा रही थी ताकि योगी सरकार को घेरा जा सके। कुछ मीडिया संस्थानों ने भी सनसनी फैलाने में देरी नहीं लगाई और अपनी जिम्मेदारी को नहीं समझते हुए सिर्फ अव्यवस्था संबंधी खबरें चलाईं। जबकि सच्चाई यह थी कि घटना के कुछ ही मिनटों के भीतर हालात पर काबू पाया जा चुका था और इसी का परिणाम था कि पूरे दिन स्नान सुचारू रूप से चला और आज भी करोड़ों लोग अब तक डुबकी लगा चुके हैं और सरकार के इंतजामों की तारीफ कर रहे हैं। कुछ लोगों ने सोशल मीडिया और मीडिया के मंचों से सवाल उठाया कि जब यूपी सरकार सुबह-शाम श्रद्धालुओं की संख्या के आंकड़े जारी कर रही है तो उसे सुबह मारे गये श्रद्धालुओं की संख्या बताने में सोलह घंटे क्यों लग गये? ऐसे लोगों को समझना होगा कि महाकुंभ मेले में आ रहे श्रद्धालुओं की गिनती के लिए एआई कैमरों सहित तमाम तरह की तकनीक की मदद ली जा रही है और भगदड़ में मारे गये लोगों की संख्या बताने में समय इसलिए लगा होगा क्योंकि मौत का आंकड़ा किसी की मृत्यु के बाद ही बताया जाता है। यदि आपने घटना के बाद के वीडियो देखें हों तो उसमें साफ प्रदर्शित हो रहा है कि घायल अवस्था में कई लोगों को एम्बुलेंस ग्रीन कॉरिडोर बनाकर तेजी से अस्पताल ले जा रही हैं। यूपी सरकार सुबह से ही कह रही थी कि कई लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। हो सकता है कि किसी की इलाज के दौरान मृत्यु हुई हो या किसी की अस्पताल लाये जाने के दौरान ही मृत्यु हो गयी हो। यह भी सर्वविदित है कि जब तक डॉक्टर किसी को मृत घोषित नहीं कर देते और उसकी पहचान तथा अन्य औपचारिकताएं पूरी नहीं हो जातीं तब तक आंकड़े सामने नहीं आते। यहां यह भी ध्यान रखना चाहिए कि एक हादसा जो हो चुका था उसके बारे में उस समय ज्यादा जानकारी देने से यदि हालात बिगड़ जाते तो और भी हादसे हो सकते थे क्योंकि करोड़ों की संख्या में लोग एक जगह पर मौजूद थे। 30 श्रद्धालुओं की मौत होना हृदय विदारक है और मृतकों के परिजनों की दशा समझी जा सकती है लेकिन हमें यह भी देखना होगा कि अब तक 30 करोड़ लोग सकुशल स्नान करके जा चुके हैं। देखा जाये तो कुंभ मेले की बड़ी तस्वीर भगदड़ की एक घटना की नहीं बल्कि यहां करोड़ों की संख्या में उत्साह के साथ स्नान कर बिना किसी नुकसान के जा चुके श्रद्धालुओं की है। यहां हमें यह भी समझना होगा कि भगदड़ या भूकंप या दुर्घटनाओं या हत्याओं से होने वाली मौतों पर प्रतिक्रिया करते समय या उससे संबंधित समाचार दिखाते समय हमें संयम बरतना चाहिए। बहरहाल, निश्चित रूप से कुंभ भगदड़ बड़ी खबर है। लेकिन भारत जैसे भीड़भाड़ वाले देश में भगदड़ से होने वाली मौतें विभिन्न बीमारियों और कारणों से होने वाली कुल मौतों का केवल एक अंश मात्र हैं। अल्जाइमर दुनिया भर में मौत का सातवां प्रमुख कारण है। लेकिन इस बीमारी से होने वाली मौतें कभी भी पेज-1 की खबर नहीं बनती ना ही कोई मीडिया चैनल इस पर प्राइम टाइम में या अन्य समय पर खबर दिखाता है। भारत में सड़क दुर्घटनाओं और तमाम तरह की बीमारियों से होने वाली मौतों की संख्या बढ़ती जा रही है लेकिन वह कभी बड़ी खबर इसलिए नहीं बनती क्योंकि इसमें किसी को राजनीति करने का मौका नहीं मिलता।

-अमृत कलश-

आचरण ही देवत्व की प्राप्ति का मार्ग है

आचार्य चंद्रशेखर शास्त्री
श्रीपीतांबरा विद्यापीठ सीकरीतीर्थ

जीवन उसी दिन तक है, जिस दिन तक मनुष्य किसी उद्देश्य के लिए निरंतर रत है...जिस दिन उद्देश्य पूर्ण हुआ, जीवन का लक्ष्य पूर्ण हुआ...लेकिन उससे भी महत्वपूर्ण है कर्म बंधन...जो कर्म से बंधा है, उसका जन्म मृत्यु निरंतर है...इसलिए आचरण का अकर्मा हो जाना ही मुक्ति का मार्ग है....न किसी कर्म में लिप्त होना और न किसी से बंधना...निर्लिप्त होकर कीचड़ में कमलवत जीना ही परमसत्ता का आशीष होता है....!

सुर, असुर, आदित्य, दैत्य, देव, दानव, मानव, यक्ष, गंधर्व, किन्नर, पशु, पक्षी, वृक्ष और समस्त, जिनमें जीव मात्र हैं....सब ऋषियों की संतान हैं।

विविधता है, इसलिए मतभेद तो होंगे ही...कोई पूरब को चलता है तो कोई पश्चिम को...सबमें गति है...इसी से प्रगति है... सब अपनी मनोस्थिति पर निर्भर हैं...जन्म, लालन पालन, पोषण और परिवेश उसके लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

मनुष्य का जन्मजात स्वभाव है लड़ना...वह मां के गर्भ में हाथ पैर मारता है। मां के स्वभाव और पिता की विचारधारा से उदरस्थ ही प्रभावित होता है...उसके अपने जन्म जन्मांतर के कर्म भी उसके जन्म के कारक होते हैं और उसके संस्कारों में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका उन अव्यक्त भोगों की होती है, जो उसके कर्मगत शेष हैं... जब लड़ने पर आएं तो दो अबोध शिशु भी एक दूसरे के बाल नौंच सकते हैं और प्रेम करने पर आएं तो अबोध बच्चा भी अपने मुंह से निकाल कर टॉफी दूसरे को खिला देता है...वह अलग बात है कि सामने वाला बच्चा जब टॉफी को खा लेता है और उस बच्चे के अनुसार वापस उसे नहीं खिलाता है तो पहले वाला जोर से रोता है....यहीं से भावानुगत परीक्षा का परिणाम सामने आने लगता है। यही कारण है कि एक ही घर में, एक ही माता पिता से उत्पन्न संतानें एक से स्वभाव की नहीं होती हैं...उनका पूर्वकृत कर्म उन्हें अलग अलग वृति का बनाता है, अलग अलग प्रवृत्ति का बनाता है, भिन्नता का कारक होता है....क्योंकि कोई किसी भी भाषा में बात करे, किसी भी स्थान पर वास करे, किसी भी व्यवहार में हो...अपने संस्कारों और विचारों से भिन्न नहीं हो सकता....मूल विषय है विचार...क्योंकि विचार की शक्ति ही उसे दूसरे से भिन्न करती है...विचार का प्रवाह ही उसे दूसरे से भिन्न मार्ग पर गति देता है...

वेदांग भी किसी जातक के स्वभाव के लिए उसके देश, काल और परिस्थिति को महत्वपूर्ण बताते हैं और उसी से उसका भविष्य निर्धारित करते हैं....।

जीवन एक पूर्व निर्धारित क्रम है...कर्म और भाग्य की अकाट्य स्थितियों से उत्पन्न...कोई अकर्मा ही उसके फलों से मुक्त रह सकता है...अकर्मा का अर्थ काम न करने वाला निश्चय ही नहीं है। अतः वह निकम्मा नहीं कहा जा सकता है। अकर्मा का अर्थ है जो कर्म के फल का भाव न रखते हुए, किए हुए कर्म का श्रेय त्याग दे....वही अकर्मा है...वही प्राप्त करता है उस परम शक्ति का सायुज्य...वही वास्तविक मोक्ष का अधिकारी....जिसके सभी कर्मों का फल परम शक्ति को ही प्राप्त हो...वह फल के भाव से मुक्त हो। इसी को उपदेश करते हुए भगवान श्रीकृष्ण ने गीता में कहा था - कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन...! कर्म का लोप होना तो संभव नहीं है, अकर्मा होना संभव है....उसे आचार में लाने की आवश्यकता है...वहीं से आरम्भ होती है एक अंतर्यात्रा...जो आचरण को शुद्ध करती है और सहजता को जन्म देती है...

ध्यान रखना! आप कितने ही बड़े ज्ञानवान्हों, विद्वान् हों, महान् हों....यदि आचरण में सभ्यता नहीं है तो आप आचारहीन हैं....और शास्त्र कहते हैं कि आचारहीनं न पुनन्ति वेदाः। अर्थात् आचारहीन को वेद भी पवित्र नहीं कर सकते...इसलिए वस्त्रों से, छद्मभाषण से, छद्माचरण से, एक दूसरे को नीचा दिखाने की प्रवृत्ति से ही सब कौतूहल है...यदि मनुष्य स्वयं को जानने का प्रयास करे तो वह अकर्मा हो जाएगा...यही देवत्व की प्राप्ति का मार्ग है....!

श्रृंगी ऋषि के राम

ब्रह्मचारी कृष्णदत्त जी को इस जन्म में अक्षरबोध न होने पर भी, एक विशेष समाधि अवस्था में, शवासन की मुद्रा में लेट जाने पर पूर्व जन्मों की स्मृति के आधार पर, भगवान राम के दिव्य जीवन को प्रवचनों में साक्षात वर्णित किया है

ब्रह्मचारी कृष्णदत्त जी को इस जन्म में अक्षरबोध न होने पर भी,एक विशेष समाधि अवस्था में,शवासन की मुद्रा में लेट जाने पर पूर्व जन्मों की स्मृति के आधार पर,भगवान राम के दिव्य जीवन को प्रवचनों में साक्षात वर्णित किया है

(ब्रह्मचारी कृष्ण दत्त जी का जन्म 27 सितम्बर, सन 1942 को गाजियाबाद जिले के ग्राम खुर्रमपुर-सलेमाबाद में हुआ,वे जन्म से ही जब भी सीधे, श्वासन की मुद्रा में लेट जाते या लिटा दिये जाते,तो उनकी गर्दन दायें-बायें हिलने लगती, कुछ मन्त्रोच्चारण होता और उपरान्त विभिन्न ऋषि-मुनियों के चिन्तन और घटनाओं पर आधारित 45 मिनट तक, एक दिव्य प्रवचन होता। पर इस जन्म में गरीब परिवार में जन्म लेने के कारण अक्षर बोध भी न कर सके,ऐसे ग्रामीण बालक के मुख से ऐसे दिव्य प्रवचन सुनकर जन-मानस आश्चर्य करने लगा,बालक की ऐसी दिव्य अवस्था और प्रवचनों की गूढ़ता के विषय में कोई भी कुछ कहने की स्थिति में नहीं था। इस स्थिति का स्पष्टीकरण भी दिव्यात्मा के प्रवचनों से ही हुआ, कि यह आत्मा सृष्टि के आदिकाल से ही विभिन्न कालों में, शृङ्गी ऋषि की उपाधि से विभूषित और इसी आत्मा के द्वारा राजा दशरथ के यहाँ पुत्रेष्टि याग कराया गया,और अब जब वे समाधि अवस्था में पहुँच जाते है तो पूर्व जन्मों की स्मृति के आधार पर प्रवचन करते ,यहाँ प्रस्तुत हैं उनके उनके द्वारा साक्षात देखा गया, भगवान राम का दिव्य जीवन)

भाग -3

.....गतांक से आगे

महर्षि लोमश मुनि जी का उद्बोधन

महाराजा दशरथ ने पुनः यह अभिलाषा व्यक्त की कि- हम पूज्य महर्षि लोमश जी के विचारों को भी सूनना चाहते है। बहुत समय हो गया है महर्षि लोमश जी के विचारो को श्रवण किए हुए। इनका विचार ऐसी वृतियों में रहता है,जो सदैव आत्म-चिन्तन में लगे रहते है,जो आयु में भी दीर्घ है। महर्षि लोमश मुनि महाराज यह वाक्य श्रवण करके वहां उपस्थित हुए।

महर्षि लोमश मुनि महाराज ने अपना व्यक्तव्य देते हुए कहा कि-जब हमारा संसार में आगमन हुआ था, यदि मै आवागमनवाद पर चर्चा करने लगूं,तो यह जो आवागमनवाद हैं,यही तो महान हैं । यह आत्मा वायुमण्डल में भ्रमण करता हुआ,अपने चित्त में मण्डलों में भ्रमण करता हुआ,इन्द्र नाम की जो वायु है,उसमें भ्रमण करता हुआ,आत्मा जब गर्भ में प्रवेश करता है,तब यह संसार में आता है संसार में आने के पश्चात,जब आता हैं तो जाता भी हैं,जिसे हम आवागमन कहते है। क्योकि जो जाता है उसी का आवागमन होता है,जो जाता ही नही उसका आवागमन किस प्रकार का होगा, जो गया है उसी को आना हैं, यही आवागमन कहलाता है।

संस्कार से आवागमन

संसार का जो सूत्र बना हुआ है,उसी सूत्र में सम्बद्ध हो करके यह आना और जाना लगा रहता है। संसार में जब संस्कार नही रह जाते,तो आवागमन नही होता,इस सन्म्बन्ध में भिन्न ऋषियों ने भिन्न-भिन्न कल्पनाए की है,उनका बड़ा ही विचित्र दृष्टिकोण रहा है। उन्होंने तो कहा है कि यह संसार लेन-देन का व्यापार बना हुआ है। आत्मा आया हैं इस संसार में, आवागमन करके तो वह लेने आया हैं और देने के लिए भी आया है। किसी से लेता है,किसी को देता है,इस पकार से महर्षि लोमश मुनि का यह विचार है कि यह जो संसार हैं,यह तो लेन-देन का एक सूत्र बना हुआ है इसमें आन्तरिक और बाह्य दोनों ही रूप में चित्त -मण्डल विद्यमान रहता है। मानव के शरीर में आन्तरिक रूप में भी चित्त है और बाह्य-जगत में भी चित्त है।

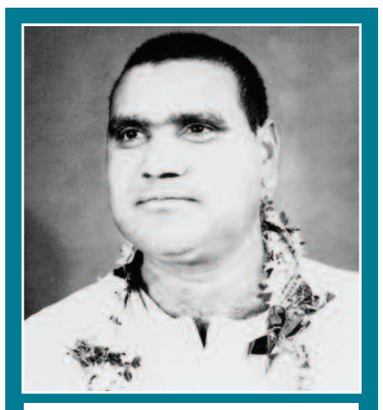

ब्रह्मचारी कृष्णदत्त जी

चित्त की विवेचना करते हुए ऋषि ने कहा-जहाँ जन्म-जन्मान्तरों के संस्कार विद्यमान रहते है,इस चित्त के मण्डल में,जन्म-जन्मान्तरों की प्रतिभा इसमें समाहित रहती है,उसी से तो संसार में आगमन होता है। इसीलिए आगमन न होने के लिए ऋषि-मुनि तपस्या करते है। ऋषि-मुनि अपने में प्रतिभाषित रहते है। वे अपने ऊपर विचारते रहते है,अनुसंधान करते रहते है और अपनी आभा में निहित रहते है। महर्षि लोमश जी ने कहा कि -मेरा अन्तरात्मा बडा.प्रसन्न है। मानव समाज भी ऊंचा होना चाहिये, राष्ट्र की पद्धतियों में रूढ़ि नही होनी चाहिये,सामान्य ज्ञान और विवक होना चाहिये, यही मेरी प्रार्थना है। हे शिशुओ! ब्रह्म का चिंतन करते रहना।

तुम ब्रह्म-आत्मा हो, ब्रह्म-आत्माओ का जब संसार में आगमन होता है तो कुछ न कुछ विशेष क्रियाकलाप करते है। देवताओ की आज्ञा का पालन करते है,बुरी आत्माओं का हनन करते रहते है। हे शिशुओं! तुम्हारेंतुम्हारें हृदय में ऐसे संस्कारो की उद्धबुद्धता होनी चाहिये,जिससे वह संसार तुम्हारी महानता में परिणित हो करके, अपने में महान बन करके उज्ज्वलता का एक सूत्र तुम्हारे हृदय में होना चाहिये।

इस सन्म्बन्ध में माताओं का बड़ा सहयोग रहा है। माताओं ने ही हमें निर्माणित किया हैं,जब माता,बाल्यकाल में हमारी प्यारी माता सुगन्धिनी, जब हमें लोरियो का पान कराती थी, उस समय उसने सखा रूप मे हमें यह उपदेश दिया,कि हे बाल्य! तुम्हे ब्रह्मवेता बनना है,आयु को दीर्घ बनाना है। आयु जब दीर्घ बनती है,जब प्राण और मन का समावेश हो जाता है। प्राण मन को अपने में समाहित कर लेता है।

प्राण और मन दोनो एक सूत्र में पिरो करके आत्मा के सानिध्य में उनका ज्ञान ऊर्ध्वा में परिणिचत होता रहता है। इसिलिए माताओ का बड़ा उज्ज्वल सहयोग रहा है। इसके साथ ही मै अपने वाक्य को यहीं समाप्त करने जा रहा हूं कि बाल्य अपने जीवन में कर्तव्य की वेदी को पा करके अपने को उज्ज्वलता को प्राप्त हो, इतना कहकर महर्षि लोमश मुनि अपने स्थान पर विद्यमान हो गये। क्रमशः ....

समान नागरिक संहिता लागू करने वाला प्रथम राज्य बना उत्तराखंड

देवभूमि उत्तराखंड समान नागरिक संहिता लागू करने वाला भारत का पहला राज्य बन गया है। वर्ष 2022 में उत्तराखंड विधानसभा चुनावों के दौरान भाजपा ने राज्य में सत्ता में आने पर समान नागरिक संहिता लागू करने का संकल्प लिया था। मुख्यमंत्री बनते ही अपने मंत्रिपरिषद की पहली बैठक में पुष्कर सिंह धामी ने समान नागरिक संहिता के प्रस्ताव तथा उसके लिए एक विशेषज्ञ समिति का गठन करने की अनुमति दी थी। उत्तराखंड विधानसभा में यह विधेयक पारित हो जाने के बाद 27 जनवरी 2025 को यह कानून लागू हो गया है। कानून के क्रियान्वयन के लिए एक पोर्टल भी लांच किया गया है जिसमें सभी दिशा निर्देश जारी किये गये हैं। समान नागरिक संहिता कानून लागू होने के कारण राज्य में व्यापक बदलाव होने जा रहा है। यह कानून महिला सुरक्षा को व्यापक स्तर पर प्राथमिकता दे रहा है। यह कानून अनुसूचित जातियों/जनजातियों को छोड़कर संपूर्ण उत्तराखंड राज्य तथा राज्य से बाहर रहने वाले उत्तराखंड के समस्त निवासियों पर लागू होगा।

पोर्टल लांच करते समय मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि कानून में किसी भी धर्म की मूल मान्यताओं और प्रथाओं को समाप्त नहीं किया गया है। इस कानून द्वारा सभी लोगों के लिए शादी, तलाक और उत्तराधिकार के नियमों को समान किया गया है। सभी धर्म के लोग अपने-अपने रीति रिवाज के अनुसार शादी कर सकते हैं। स्वाभाविक रूप से कांग्रेस के नेतृत्व वाली सेक्युलर ताकतों तो यह कानून पसंद नहीं आ रहा है, वहीं कुछ मुस्लिम कट्टरपंथी संगठन इस कानून को कोर्ट में चुनौती देने की तैयारी कर रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अनेक अवसरों पर समान नागरिक संहिता कानून की बात रख चुके हैं। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर लाल किले से संबोधन तथा संसद में राष्ट्रपति के अभिभाषण का जवाब देते हुए भी प्रधानमंत्री मोदी सुप्रीम कोर्ट के निदेर्शानुसार समान नागरिक संहिता लागू करने के लिए प्रतिबद्धता जता चुके है और उत्तराखंड के माध्यम से यह पहल आगे बढ़ रही है। समान नागरिक संहिता लागू हो जाने के बाद सभी धर्म, जाति व पंथ के लोगों को समान अधिकार मिलने प्रारम्भ हो जायेंगे। इस कानून में महिलाओं को विशिष्ट लाभ प्राप्त होगा।

मुस्लिम तुष्टिकरण की विकृत राजनीति के चलते कांग्रेस ने सदा समान नागरिक संहिता का विरोध किया। अगर कांग्रेस में इच्छाशक्ति होती तो यह कानून पूर्व प्रधानमंत्री नेहरू जी के समय में ही लागू हो गया होता किंतु वह मुस्लिम तुष्टिकरण में इतने डूब चुके थे कि उन्हें पूर्व राष्ट्रपति स्वर्गीय डॉ. राजेंद्र प्रसाद सहित कई कांग्रेसी नेताओं के विचार अच्छे नहीं लगे। यहां तक कि डॉ. भीमराव अम्बेडकर भी संविधान में ही समान नागरिक संहिता को रखने के प्रबल पक्षधर थे और इन्हीं सब मुद्दों के कारण डॉ. अम्बेडकर और नेहरू जी के मध्य विवाद था।

उत्तराखंड विधानसभा द्वारा पारित विधेयक चार खंडों में विभाजित है। पहला खंड- यूजीसी की धाराओं के उल्लंघन पर छह माह तक कारावास व 50 हजार रुपए जुमार्ने की व्यवस्था की गई है। विवाह विच्छेद के मामलों में तीन वर्ष का कारावास रखा गया है। पुनर्विवाह के लिए तय नियम के उल्लंघन पर एक लाख रुपये तक का जुमार्ना व छह मास तक के कारावास का प्रबंध किया गया है। महिलाओं को समान अधिकार- संपत्ति में सभी धर्मों की महिलाओं को समान अधिकार दिया गया है। सभी जीवित बच्चे पुत्र अथवा पुत्री संपत्ति में बराबर के अधिकारी बनाये गये हैं। अगर कसी व्यक्ति की वसीयत नहीं है और उसकी कोई संतान अथवा पत्नी नहीं है तो उत्तराधिकार के लिए रिश्तेदारों को

प्राथमिकता दी गई है।

समान नागरिक संहिता का तीसरा खंड अत्यंत विशिष्ट है। जिसमें आजकल प्रचलन में आए लिव इन रिलेशनशिप का पंजीकरण अनिवार्य कर दिया गया है। लिव इन में पैदा हुए बच्चे को भी वैध संतान माना गया है। अब नये कानून के अंतर्गत लिव इन रिलेशनशिप को कोई भी पक्ष समाप्त भी कर सकता है। यदि किसी भी धर्म का कोई पुरुष अपनी पत्नी को छोड़ देता है तो वह उसे भरण पोषण की मांग कर सकती है। किसी एक पक्ष के नाबालिग अथवा विवाहित होने पर लिव इन की अनुमति नही दी जाएगी। उत्तराखंड में लागू समान नागरिक संहिता विधेयक में पति की क्रूरता और विवाहेत्तर संबंधों पर पत्नी को भी तलाक का अधिकार दिया गया है। प्रस्तावित कानूनों के अंतर्गत नपुंसकता या जानबूझकर यौन संबंध नहीं बनाने पर विवाह शून्य हो जायेगा। समान नागरिक संहिता में यह भी स्पष्ट किया गया है कि इस अधिनियम के अलावा किसी अन्य प्रथा/ परंपरा के अंतर्गत तलाक मान्य नहीं होगा। किसी प्रथा रूढ़ी या परंपरा के तहत तलाक देने पर तीन साल की जेल और सजा का प्रावधान भी किया गया है। पूर्व की पत्नी होने के बावजूद पुनर्विवाह करने पर तीन वर्ष की जेल एक लाख रुपये तक जुमार्ना और सजा भी बढ़ाई जा सकती है।

यह कानून उत्तराखंड के सभी नागरिकों को समान अधिकार और अवसर देगा, विशेषकर उन महिलाओं के सम्मान व अधिकार की रक्षा होगी जिन परंपराओं में पुरुष वर्चस्व का चलन है।

देवभूमि उत्तराखंड की मुस्लिम महिलाओं को अब तीन तलाक, बहुविवाह और हलाला जैसी बर्बर प्रथाओं से मुक्ति मिलेगी। लिव इन रिलेशनशिप को लेकर जो व्यवस्था समान नागरिक संहिता में की गई है उससे लव जिहाद में फंसकर अपने प्राणों तक की आहुति देने वाली बेटियों को भी एक बड़ा सुरक्षा कवच मिल गया है। सुप्रीम कोर्ट ने भी कई अवसरों पर माना और कहा कि केंद्र सरकार को एक समान नागरिक संहिता लानी ही चाहिए और जिसे उत्तराखंड की सरकार ने पूर्ण कर दिखाया है। उत्तराखंड विधानसभा से समान नागरिक संहिता विधेयक पारित हो जाने के बाद अब उत्तर प्रदेश, राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश आदि अनेक प्रांतों ने भी इसे लागू करने की तैयारी प्रारम्भ कर दी है।

उत्तराखंड में समान नागरिक संहिता कानून को यूनिफार्म की बजाय कॉमन सिविल कानून नाम दिया गया है। यह एक प्रगतिशील कानून है। इस कानून का एकमात्र उद्देश्य महिलाओं और बाल अधिकारों को सुरक्षित करना है। यह कानून लोगों के अधिकार छीनने का नहीं अपितु लोगो को अधिकार देने से सम्बंधित है। यह कानून सामाजिक न्याय की दिशा में एक बड़ा कदम है। इस कानून से विभिन्न धर्मों के वैवाहिक रीतिझरिवाजों पर कोई असर नहीं पड़ने वाला है। ज्ञातव्य है कि समान नागरिक संहिता के विरोधी इसे बढ़ा चढ़ाकर अपने हिसाब से प्रस्तुत कर रहे हैं। इस कानून के अंतर्गत मुसलमानों में निकाह, सिखों में आनंद कारज, हिंदुओं में अग्नि के समक्ष फेरे और ईसाई की विवाह अपनी-अपनी मान्यताओं के अनुसार ही होते रहेंगे।

उच्चतम न्यायालय ने कई अवसरों पर समान नागरिक संहिता लागू करने पर बल दिया है सन 1973 में उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश एम. एच. बेग ने बहुविवाह जैसी कुप्रथा पर रोक लगाने और तलाक के मामलों में न्यायिक हस्तक्षेप की सिफारिश की थी। केरल उच्च न्यायालय के जज वी. खालिद ने भी मार्च 1973 में मुसलमानों से अनुरोध किया था कि वह महिला अधिकारों की दिशा में सुधार पर ध्यान दें। 10 मई 1995 को उच्चतम न्यायालय ने तत्कालीन प्रधानमंत्री पी. वी. नरसिंह राव से अनुच्छेद 44 पर पुनर्विचार करने को कहा था उस खंडपीठ में न्यायाधीश कुलदीप सिंह और आरएम सहाय शामिल थे।

13 सितंबर 2019 को उच्चतम न्यायालय ने एक बार फिर समान नागरिक संहिता पर बल दिया। 11 मई 1962 को कांग्रेस की राज्यसभा सांसद श्रीमती सीता परमानंद ने एक निजी विधेयक प्रस्तुत किया था जिसका शीर्षक था यूनिफार्म सिविल कोड फॉर कंट्री। 29 जुलाई 1986 को केंद्रीय विधि मंत्री हंसराज भारद्वाज ने वादा किया था कि समान नागरिक कानून के प्रस्ताव को लागू करने के लिए सरकार तीव्र गति से प्रयास कर रही है किंतु कांग्रेस यह वादा ही रह गया।

समान नागरिक कानून लागू हो जाने से सबसे अधिक सुरक्षा उन महिलाओं को प्राप्त होगी जो किसी न किसी कुप्रथा का शिकार हो रही थीं। इस कानून से लव जिहाद के माध्यम से होने वाले धर्मांतरण व अवैध गतिविधियों पर भी लगाम लग सकेगी। मुस्लिम समाज के लिए- समान नागरिक संहिता के अंतर्गत मुस्लिम समाज को अब चार शादी करने की छूट नहीं है और बिना तलाक दूसरी शादी भी नहीं हो सकती। सभी धर्मों में लड़कियों की विवाह करने की न्यूनतम आयु 18 और लड़कों की 21 वर्ष निर्धारित की गई है।

RNI No. 62592/95 स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक चंद्रशेखर शास्त्री ने भारती प्रिंटर्स, निकट पुरानी स्टील चुंगी, लोअर बाजार, मोदीनगर-201204, गाजियाबाद उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित किया।
सम्पादकः चन्द्रशेखर शास्त्री, मोबाइलः 7351200046/9411246969, email: u.p.observer@gmail.com

व्यक्तित्व-

मानवीय संवेदनाओं का सृजन करती रामकिशन शर्मा की लेखनी

डॉ. मधु मुकुल चतुर्वेदी

गांव चांग, तहसील एवं जिला भिवानी, हरियाणा राज्य में 31अक्टूबर 1950 को जन्मे तथा वर्तमान में पश्चिम विहार, नयी दिल्ली में निवास कर रहे रामकिशन शर्मा जी की प्रारंभिक शिक्षा तहसील चांग, जिला भिवानी, हरियाणा के ही एक राजकीय विद्यालय में हुई। आगे चलकर आपने राजकीय पॉलीटेक्निक कॉलेज सिरसा (हरियाणा) से इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में डिप्लोमा प्राप्त किया।

रामकिशन जी ने अनेक देशों की साहित्यिक यात्राएं भी की हैं जिनमें भूटान, नेपाल और म्यांमार की यात्राएं विशेषरूप से उल्लेखनीय हैं। अनेक साहित्यक संस्थाओं द्वारा समय-समय पर आपको विभिन्न सम्मान पत्रों से सम्मानित भी किया जा चुका है।

गांव चांग, तहसील एवं जिला भिवानी, हरियाणा राज्य में 31अक्टूबर 1950 को जन्मे तथा वर्तमान में पश्चिम विहार, नयी दिल्ली में निवास कर रहे रामकिशन शर्मा जी की प्रारंभिक शिक्षा तहसील चांग, जिला भिवानी, हरियाणा के ही एक राजकीय विद्यालय में हुई। आगे चलकर आपने राजकीय पॉलीटेक्निक कॉलेज सिरसा (हरियाणा) से इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में डिप्लोमा प्राप्त किया। शिक्षा पूर्ण करने के पश्चात आपने दिल्ली नगर निगम में जूनियर इंजीनियर का पदभार संभाला। विभागीय पदोन्नति प्राप्त करते हुए सहायक इंजीनियर तथा एग्जीक्यूटिव इंजीनियर के पद पर अपनी सेवाएं देते हुए 31अक्टूबर 2010 को आप सेवानिवृत्त हो गए। कहानी, कविता लिखने में आपकी शुरू से ही अभिरुचि रही। रामकिशन जी की अबतक चार पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं- (1) सर्दी की वो रात (हिंदी कहानियाँ (2) यथार्थ (हिंदी कविताएं) (3) सिरायकी विरसा (सिरायकी) तथा (4) सिरायकी कहानियां (सिरायकी)। रामकिशन जी ने अनेक देशों की साहित्यिक यात्राएं भी की हैं जिनमें भूटान, नेपाल और म्यांमार की यात्राएं विशेषरूप से उल्लेखनीय हैं। अनेक साहित्यक संस्थाओं द्वारा समय-समय पर आपको विभिन्न सम्मान पत्रों से सम्मानित भी किया जा चुका है। आपकी लेखनी में मानवीय संवेदनाओं एवं मानवीय रिश्तों की झलक बखूबी देखी जा सकती है। कहते हैं कि मित्र वही जो समय पर काम आये। आज के सोशल मीडिया युग में अनेक सोशल प्लेटफार्म पर हजारों की संख्या में मित्र हो सकते हैं लेकिन उनमें से वास्तविक मित्रों की संख्या न्यून ही होती है। इसी प्रकार निर्मल हृदय से स्मरण करने मात्र से अपने आराध्य के दर्शन हो सकते हैं। कुछ ऐसे ही भाव यहाँ व्यक्त हुए हैं -

आये जो काम वक्त पर ऐसा एक यार काफी है
रूह जाये मिल रूह से ऐसा एक प्यार काफी है
भजन कीर्तन अजानों से खुदा नहीं मिल जाता
पाने को उसे दिल से निकली एक पुकार काफी है ।

जीवन क्षण भंगुर है। अगले पल का भी कुछ पता नहीं फिर भी लोग व्यर्थ के तनावों में ग्रस्त हो पारस्परिक रिश्ते बिगाड़ लेते हैं -

रिश्ता न सही दुनियादारी ही निभाने आजा
मुखड़ा एक बार तो अपना दिखाने आजा
न जाने जाये कब टूट चलती सांसों की लड़ी
गिले शिकवे हमेशा के लिए दफनाने आजा ।

एक गीत की पंक्तियाँ याद आ रही हैं - 'आप गैरों की बात करते हैं, हमने अपने भी आजमाये हैं। लोग काँटों से बचके चलते हैं, हमने फूलों से जख्म खाये हैं।' कुछ ऐसे ही भाव यहाँ व्यक्त हुए हैं -

सफाइयां तो दे चुका हूं बहुत सारी
दिल को चीर के दिखाना बाकी है
गैरों से होते हैं सदा अपने ही भले
यह कथन अभी आजमाना बाकी है ।

विरह की वेदना को कुछ इस तरह व्यक्त किया है -

ख्वाब ख्याल कभी कभार तो मेरा आता होगा
कतरा एक आध आंसू का भी बह जाता होगा
वक्त ने कर तो दिया दूर बेशक हमें एक दूसरेसे
पर वक्त भी अब अपने किए पर पछताता होगा।

आज अधिकांश लोग दोहरे चरित्र वाले मिलते हैं। व्यर्थ के दिखावे में अपना समय और धन गँवाते हैं -

दिखावा कर जमा पूंजी लुटाते हैं लोग
कर यूं चैन दिन रात का गंवाते है लोग
तरह तरह के मुखौटे लिए लोग फिरते
मौकों के मुताबिक इन्हें लगाते हैं लोग

पुनः एक फिल्मी गीत की पंक्तियाँ याद आ रही हैं - 'मैं जिन्दगी का साथ निभाता चला गया, हर फिक्र को धुंयें में उड़ाता चला गया।' कुछ ऐसा ही यहाँ कहा गया है-

हर हाल में खुश रहना सीख लिया है
बहाव के विरुद्ध बहना सीख लिया है
परवाह नहीं करता कि लोग क्या कहेंगे
मनमर्जी से अब जीना सीख लिया है

आज भौतिकता की दौड़ में युवा पीढ़ी अपनी जड़ों से दूर होती जा रही है। कुछ ऐसे ही भाव यहाँ व्यक्त हुए हैं -

जो लिखा के हैं लाए किस्मत में होगा वही
अपने तौर पर यूं बहुत कुछ किए जा रहे हैं
औलाद जा बसी विदेश छोड़ उनको अकेला
मां बाप हैं कि फिर भी दुआएं दिए जा रहे हैं

शक पारस्परिक संबंधों का शत्रु है। ऐसा ही कुछ यहाँ कहा गया है -

शक्की मिजाज छीन लेता है चैन
नींद भी उसे रात भर आती नहीं
शक बेशक होता रहे झूठा साबित
फांस पर दिल से निकल पाती नहीं ।

इस प्रकार रामकिशन जी की लेखनी में मानवीय संवेदनाओं एवं मानवीय रिश्तों की झलक बखूबी देखी जा सकती है। उनकी लेखनी इसी प्रकार नित नये सृजन करती रहे इन्हीं शुभकामनाओं के साथ....

गीत-

जीवन है अनमोल बड़ा मत इसको तुम व्यर्थ गंवाओ

डॉ.सरिता सिंह

जीवन है अनमोल बड़ा यह , मत इसको तुम व्यर्थ गँवाओ'
आशाओं की थाती लेकर, सूर्योदय सा खिलते जाओ।

शुद्ध आचरण का पालन कर , दिल में दीप जलाने वाले '
त्याग स्वार्थ के भावों को, परहित धर्म निभाने वाले '
जीवन की कठिनाई से हरगिज मत तुम घबराना।
मन में प्रतिपल खुशियों के ही सुन्दर स्वप्न सजाना '
संबंधों में प्रीति जगाकर प्रेमिल धार बहाओ।

जीवन है अनमोल बड़ा यह , मत इसको तुम व्यर्थ गँवाओ'

कभी मिलेंगे पतझड़ में भी कानन कुसुम खिलाने वाले।
घोर तमस से भरी रात में , सच्ची राह दिखाने वाले।
देखो, परखो इंसानों को बात तभी तुम मानो।
जीवन मूल्यों के गुढ़ अर्थ को जानो और पहचानो '
मानवता की पूजा करके, निज कर्त्तव्य निभाओ।
जीवन है अनमोल बड़ा यह , मत इसको तुम व्यर्थ गँवाओ'

मिट्टी को स्वर्ण बताने वाले, इस दुनिया को बहलाने वाले'
मीठी -मीठी बातें करके, धोखा दे झुठलाने वाले '
इस जग में विश्वास स्वयं पर, जो हरदम करते हैं।
अँधियारों को दूर भगाकर, साहस मन में भरते हैं।
आत्मशक्ति से चिंतन करके, हर अवरोध हटाओ '
जीवन है अनमोल बड़ा यह , मत इसको तुम व्यर्थ गँवाओ'

व्यंग्य-

अब आटीर्फीशियल ही रीयल है

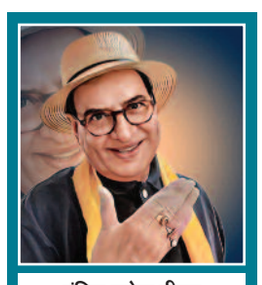

पंडित सुरेश नीरव

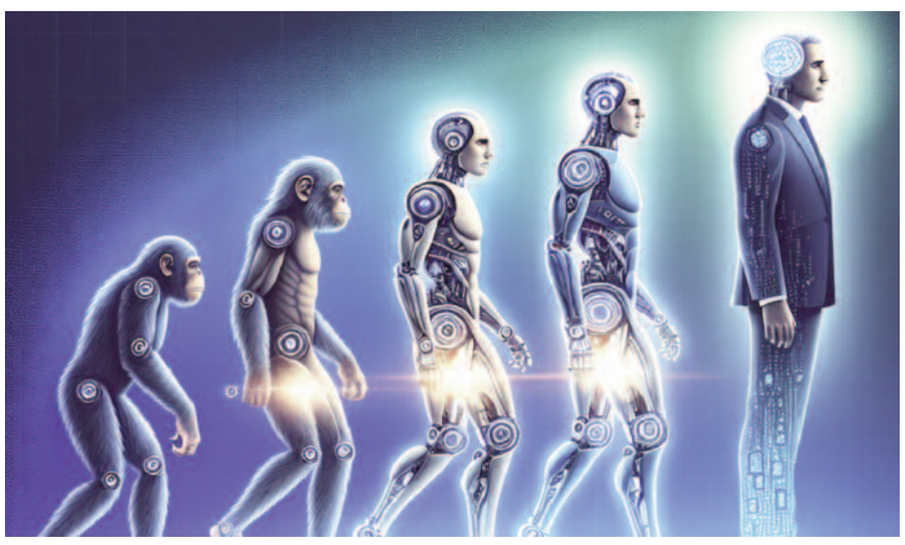

कुछ लोगों की मान्यता है कि जो प्राकृतिक शक्तियों द्वारा निर्मित नहीं है वही कृत्रिम है ,नकली है। झूठा है, बनावटी है। अर्द्धसिंथेटिक है। अब इस परिभाषा को सही माने तो कोई भी व्यक्ति न तो पैदाइशी अच्छा होता है और न पैदाइशी बुरा होता है। पैदाइशी न वह ईमानदार होता है और न बेईमान होता है।

आज के दौर में जो भी आटीर्फीशियल है वही रीयल है। और जो रीयल है वही आटीर्फीशियल है। आटीर्फीशियल और रीयल का जो अद्भुत अद्वैत है, उसका हम सभी लोग बड़े भक्तिभाव से उसका भरपूर आनंद ले रहे हैं। आज जबकि आदमी ही आटीर्फीशियल हो गया हो तो ऑरीजनल होने के लिए फिर बचा क्या रह जाता है?अब तो चाहे नेतागीरी हो या बाबागीरी सब कुछ ही आटीर्फीशियल है। विद्वानों का मानना है कि ऑरीजनल तो आजकल बस चमचागीरी ही रह गई है क्योंकि चमचागीरी हमेशा से ही आटीर्फीशियल इंटेलिजेंस का प्रोडक्ट रही है। चमचागीरी का आटीर्फीशियल होना ही उसका ऑरीजनल होना है।

कुछ लोगों की मान्यता है कि जो प्राकृतिक शक्तियों द्वारा निर्मित नहीं है वही कृत्रिम है ,नकली है। झूठा है, बनावटी है। अर्द्धसिंथेटिक है। अब इस परिभाषा को सही माने तो कोई भी व्यक्ति न तो पैदाइशी अच्छा होता है और न पैदाइशी बुरा होता है। पैदाइशी न वह ईमानदार होता है और न बेईमान होता है। न वह नेता होता है और न चमचा होता है। वह जो भी होता है या जो भी बनता है वह सब कृत्रिम ही तो होता है। इन दिनों आजका बनावटी आदमी अपने ऑरीजनल होने के जो भी दावे करता है यह उसकी कृत्रिम बुद्धिमत्ता ही तो है।अब देखिए न आजके आदमी के सिर पर उसके विग की शक्ल में कहीं नकली बाल होंगे। तो कहीं असली सफेद बालों को रंग कर बनाए हुए काले बाल होंगे। होंठों पर चिपकी तलवार कट मूंछे, मक्खी मूंछे, झब्बर मूंछे, फ्रेंच कट दाढ़ी यानी चेहरे का पूरे का पूरा हेयर सैलून नकली। मुंह के भीतर का फर्नीचर नकली। आंखों के भीतर का लेंस नकली। होठों पर चिपकी मुस्कान आटीर्फीशियल। जबान से टपकती आटीर्फीशियल भावुकता। झूठे वादे। झूठी कसमें। झूठी दोस्ती। सब कुछ बनावटी सबकुछ आटीर्फीशियल। फेसबुक आईडी नकली। प्रोफाइल पर लगाए फिल्टर किए हुए फोटो। आभासी दुनिया की हर बात आटीर्फीशियल। डिजिटल सुंदरियों के बाल आटीर्फीशियल, पलकें आटीर्फीशियल, मस्कारा, रुज, लिपिस्टिक यानी चेहरे का पूरा डेकोरेशन आटीर्फीशियल। ज्वेलरी आटीर्फीशियल।हाथ के नाखून आटीर्फीशियल। हाईहील से बढ़ाया गया कद आटीर्फीशियल। लिवइन रिलेशन आटीर्फीशियल। ड्राइंगरूम के प्लांट और फ्लॉवर्स आटीर्फीशियल। खाने के सामान में मक्खन, घी,पनीर, मावा, मसाले चावल सबकुछ ऑटीर्फीशियल। आटीर्फीशियल इंटेलिजेंस का आजकल बड़ा शोर मचा हुआ है। अरे ! आटीर्फीशियल इंटेलिजेंस के मामले में कौन हमारा मुकाबला कर सकता है? आटीर्फीशियल इंटेलिजेंस के मामले में हम लोग तो सनातनी विशेषज्ञ हैं।और आटीर्फीशियल होना तो हमारा जन्मसिद्ध अधिकार है। और आटीर्फीशियल इंटेलिजेंस में हमारा कोई जवाब नहीं।

कविताएँ

एक कदम विज्ञान

यशपाल सिंह

एक सेव का पेड़ था, बीच खड़ा मैदान
गिरते थे हर रोज फल, नहीं किसी को भान
एक दिन रुक कर किसी ने, खुद से किया सवाल
आखिर नीचे को सदा, क्यों गिरते ये आन
गुरुत्वाकर्षण का लिया, न्यूटन ने संज्ञान
प्रश्न उठा तो बढ़ गया, एक कदम विज्ञान

आर्कमिडीज टब में घुसा, मन में लिए सवाल
छलका टब से बाहर जल, तो आया उसे खयाल
जल विस्थापन का मिला, उसे नया सिध्दांत
जितना ज्यादा आयतन, उतना अधिक उछाल
ह्यूरेकाह्न पल से मिले, बड़े-बड़े जलयान
प्रश्न उठा तो बढ़ गया, एक कदम विज्ञान

जाते थे जल-पोत से, मन में उठा प्रसंग
सागर के जल का भला, नीला क्यों है रंग
ह्यजल से विकिरणह्न पर किया, शुरू उन्होंने शोध
आवृत्ति बदलाव का, हुआ रमन को बोध
रमन प्रभाव कहा गया, उनका अनुसंधान
प्रश्न उठा तो बढ़ गया, एक कदम विज्ञान

प्रश्न पूछते जाइए, प्रश्न ज्ञान का मूल
प्रोत्साहन दो प्रश्न को, घर, कॉलेज, स्कूल
प्रश्न उठाया पार्थ ने, बीच युद्ध मैदान
मिला कर्म विज्ञान तब, और गीता का ज्ञान
विकसित हो विज्ञान, जहाँ प्रश्नों का सम्मान
प्रश्न उठा तो बढ़ गया, एक कदम विज्ञान

गीत

मीतू कनोड़िया

आती हिमाद्रि से जो चलती है हरहराकर
निर्बाध बढ़ रही वह बन मुक्ति का किनारा
भागीरथी की धारा भागीरथी की धारा

किसकी लगन लगी है, वह कौन है जो छूटा
किससे मिलन की खातिर एक बाँध था जो टूटा
सदियों से कर रही वह किसकी अथक प्रतीक्षा
उत्ताल हृद तरंगें किसकी करें समीक्षा
जिसके तटों पे मानव भूला है दु :ख सारा
भागीरथी की धारा....

हर पाप को समेटे चलती है अनमनी हो
सूरज ने जब निहारा हो जाती गुनगुनी वो
राहें भी थीं कँटीली अनगिन बिछे थे रोड़े
एक आस ही थी मन में जो राह को न छोड़े
जिसको सभी ने मिलकर जी भर किया है खारा
भागीरथी की धारा.....

नवगीत

शशि प्रेमदेव

जग में
ऐसे या वैसे
अपनी पहिचान बनाने की !

व्याधि नयी है
शायद कोई
यह भी नये जमाने की !!

झूठों ने कुछ
ऐसे की पूरी
अपनी अभिलाषा

सच की सबने
अपनी-अपनी
गढ़ डाली परिभाषा

होड़ लगी हो
मानो उनमें
हरिश्चन्द्र कहलाने की !! व्याधि ...

कठपुतली को
इतनी-सी
मुहलत देते हैं धागे

पाँव बढ़ें ना
उसके हामिद-
हरिचरना से आगे

आशंका वर्ना
जमात से
है खारिज हो जाने की !! व्याधि ...

लुटे-पिटे
बटमार सियासी
सारे, झुण्ड बनाकर

अंट-शंट
कुछ भी बकते
रहते, मंचों पे जाकर

कोशिश में
पुश्तैनी कुर्सी को
फिर से हथियाने की !! व्याधि ...

मैं पहाड़ों की हूँ इक बहती नदी

डॉ दमयन्ती शर्मा 'दीपा'

तुम समुन्दर मैं पहाड़ों की हूँ इक बहती नदी।
मैं अधूरा इक सफर और तुम तो हो पूरी सदी।

दूर रह सुन लूँ तुम्हारे,मन की भी खामोशियाँ।
धड़कने रुन-झुन बजें ज्यों लहरों की पायलिया।
खिलखिलाते मन के कुसुमों,से सजी, रहती लदी।
मै अधूरा इक सफर हूँ तुम तो हो पूरी सदी।

तन-वसन का मैल धोकर, काम आयी सबके मैं।
भार पापों का उठा, मीलों से आई चलके मैं।
कर शुचित पावन सभी को, स्वयं हूँ सहती बदी।
मैं अधूरा इक सफर और तुम तो हो पूरी सदी।

प्रीत दीपक जल उठे, मन-आरती के थाल में।
हूँ समर्पित मैं तुम्हारे, अंक में हर हाल में ।
मौन पीड़ा की लहर सी, जलधि के दिल में गुँदी।
मैं अधूरा इक सफर और तुम तो हो पूरी सदी

हिम- शिखर की धवल चादर, सा है मन पावन मेरा।
भोली पनिहारिन की छलकी ,गगरी सा यौवन मेरा।
दूध में मिसरी सी तुम में, घुल हुई मैं सरमदी।
मैं अधूरा इक सफर और तुम तो हो पूरी सदी।

गीत-

कैसे गाऊँ

डॉ॰ पुष्पलता भट्ट 'पुष्प'

तुम कहते हो, गीत सुनाऊँ
भरे हृदय से कैसे गाऊँ ?

मैं व्याकुल हूँ , मेरी धरती
झुलस रही अंगारों में ।
किसने काँटे बिछा दिए हैं,
मस्ती भरी बहारों में ।
तुम कहते हो ,फूल खिलाऊँ
शूलों को कैसे बहलाऊँ ?
भरे हृदय से कैसे गाऊँ ।

मैंने चाहा -स्वप्न धरा के ,
स्वर्ग से ज्यादा , सुन्दर होते
मैंने चाहा -इस माटी के,
सुख-दुख सबके साँझे होते।
तुम कहते हो, प्रीत निभाऊँ
रीते मन को क्या समझाऊँ ?
भरे हृदय से कैसे गाऊँ ।

प्रेम प्रीत की महक खो गई,
फूलों से सपने मुरझाए ।
सिसक रही मानवता सारी,
जीत गए बारूदी साए ।
तुम कहते हो मैं मुस्काऊँ
पर पीड़ा को कहाँ छुपाऊँ ?
तुम कहते हो , गीत सुनाऊँ ।

गन्ना विकास समिति मवाना में जिला सहकारी संगोष्ठी का आयोजन

गन्ना किस्म 0238 के विस्थापन हेतु गन्ना किसानों के मध्य व्यापक प्रचार-प्रसार एवं गोष्ठियों की महती आवश्कता: उप गन्ना आयुक्त

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मेरठ। आज सहकारी गन्ना विकास समिति, मवाना के किसान भवन में गन्ना विकास विभाग एवं इफको मेरठ के संयुक्त तत्वावधान में जिला सहकारी संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उप गन्ना आयुक्त परिक्षेत्र मेरठ, ने गोष्ठी में प्रतिभाग करने वाले गन्ना पर्यवेक्षकों एवं चीनी मिल के फील्ड स्टाफ को सम्बोधित करते हुए कहा की भारत एक कृषि प्रधान देश है तथा गन्ना कृषकों की आय में वृद्धि हेतु आवश्यक है कि कृषकों के उत्पाद की गुणवत्ता एवं उत्पादकता अच्छी हो। कृषकों की आय में वृद्धि के फलस्वरूप ही देश की आर्थिक उन्नति सम्भव है। कृषि आधारित गोष्ठियों एवं व्यापक प्रचार-प्रसार के माध्यम से ही गन्ना किसानों के मध्य 0238 गन्ना किस्म का विस्थापन कर अन्य स्वीकृत गन्ना किस्मों 13235, 15023, 16202, 0118, 15466 आदि को बोने के लिए उन्हे प्रेरित किया जा सकता है। उन्होने यह भी कहा व्यापक प्रचार-प्रसार से ही किसानो के मध्य गन्ने का अधिकाधिक उत्पादन करने की स्वस्थ्य प्रतिर्स्पधा कायम हो सकेगी, साथ ही किसी भी प्रजाति का लगभग 40 प्रतिशत तक क्षेत्र करने की बात कही।

आज आयोजित इस जिला सहकारी संगोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए सहकारी गन्ना विकास समिति लि० मवाना के अध्यक्ष श्री विनोद भाटी ने संगोष्ठी में उपस्थित चीनी मिल के प्रतिनिधियों से अपेक्षा की कि मिल का फील्ड स्टाफ क्षेत्र में गन्ना किसानो से प्रत्यक्ष संवाद कर गन्ना खेती की नई तकनीकों का प्रचार-प्रसार करने करें।

इफको लखनऊ के उप महा प्रबंधक श्री यतेंद्र तेवतिया ने संगोष्ठी में नैनो यूरिया ,नैनो डीएपी के प्रयोग का आह्वान किया । उन्होने गन्ना फसलों में इफको द्वारा निर्मित इफको पौध विकास प्रोत्साहक(सागरिका तरल), इफको जैव उर्वरक(कंसोर्टियॉ तरल), इफको जल घुलनशील उर्वरक, इफको विशिष्ट उर्वरक, के प्रयोग की आवश्यकता, तरीका इत्यादि के बारे में विस्तृत रूप से जानकारी दी। कार्यक्रम के दौरान ही इफको एम सी क्रॉप साइंस से श्री धर्मेंद्र सिंह ने 0238 गन्ना किस्म में लाल सड़न रोग के रोकथाम, नियंत्रण तथा गन्ना फसल में लगने वाली अन्य बीमारियों एवं कीट की रोकथाम के बारे में विस्तृत व्याख्यान दिया।

कार्यक्रम में चीनी मिल मवाना के उप महाप्रबंधक श्री हरिओम शर्मा ने गन्ना फसल में बीज उपचार, भूमि उपचार,फसल सुरक्षा एवं प्रजातीय बदलाव पर अपने विचार रखे। आज आयोजित इस गोष्ठी में सम्भागीय विख्यापन अधिकारी,मेरठ, ज्येष्ठ गन्ना विकास निरीक्षक, मवाना, सचिव सहकारी गन्ना विकास समिति, मवाना, मवाना चीनी मिल के प्रधान प्रबन्धक श्री अभिषेक श्रीवास्तव एवं मवाना गन्ना समिति क्षेत्र के गन्ना पर्यवेक्षकों एवं मवाना चीनी मिल के फील्ड स्टाफ सहित लगभग 110 कृषकों ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम का संचालन इफको मेरठ के क्षेत्र प्रबंधक, श्री कृष्ण कुमार ने किया तथा गन्ना फसल में प्रयोग होने वाले इफको के अन्य उत्पादों के प्रयोग की विधि के सम्बन्ध में प्रतिभागियों को अन्य सूचनाये प्रदान की।

डीएम की अध्यक्षता में गो संरक्षण एवं संवर्धन कोष समिति की समीक्षा बैठक हुई संपन्न

सड़कों पर खुले में ना रहे गोवंश, अधिकारीगण अभियान चलाकर करें गोवंश संरक्षण: जिलाधिकारी मनीष कुमार

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गौतमबुद्ध नगर। जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में गौ आश्रय स्थलों की स्थापना, क्रियान्वयन, संचालन एवं प्रबंधन के लिए जिला स्तरीय अनुश्रवण, मूल्यांकन एवं समीक्षा एवं संवर्धन कोष समिति की बैठक संपन्न हुई, जिसमे जनपद के विभिन्न विभागों के जनपद स्तरीय अधिकारियों एवं समिति के सदस्यों ने भाग लिया।

बैठक में गो संर्वधन कोष में धनराशि एकत्र करने एवं कोष उपयोग के संबंध में विस्तृत विचार विर्मश किया गया, जिसके संबंध में जिलाधिकारी द्वारा विशेष मार्ग निर्देश दिये गये। इसके संबंध में यह भी बताया गया कि संबंधित शासनादेश में दिये गये दिशा निर्देश के अनुसार मण्डी समिति, टोल प्लाजा व अन्य सरकारी, गैर सरकारी संगठनों आदि के माध्यम से इस कोष में धनराशि एकत्र की जा सकती है। मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी ने जिलाधिकारी को अवगत कराया कि संवर्धन कोष का उपयोग मुख्यता आपदा की स्थिति में विभिन्न गौ आश्रय स्थलों में गौवंशो के भरण-पोषण, गौ आश्नय स्थलों के विकास, नवाचार, आत्मनिर्भता आदि के लिये किया जायेगा। किसी भी प्रकार के नये भवन के निर्माण या पिछली बकाया राशि के भुगातान हेतु नही किया जायेगा।

जिलाधिकारी ने प्राधिकरण/नगर निकाय एवं स्थानीय निकाय के अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनपद में सड़को पर घूम रहे निराश्रित गौवंशो का शत प्रतिशत संरक्षण कर लिया जाये एवं जान बूझ कर छोड रहें गौवंशों के पशु मालिकों को चिन्हित करते हुये भारी जुर्मना लगाने की कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने पशु चिकित्सा अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनपद में संचालित समस्त गौशालाओं में गोवंशों के भरण पोषण हेतु पर्याप्त मात्रा में भूसा, हरा चारा तथा स्वास्थ्य सेवाओं से संबंधित व्यवस्थाएं सुदृढ़ रहे। साथ ही गौशालाओं से संबंधित चारागाहों में हरा चारा उगाने के निर्देश दिये गये। हरा चारा की अनुउपलब्धता में गौवंशो को साईलेज खिलाने के निर्देश दिये गये। जिलाधिकारी ने मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी को निर्देशित किया कि एनपीसीएल एवं यूपीपीसीएल के अधिकारियों को पत्र प्रेषित कर जर्जर बिजली के तारों एवं खम्भों की मरम्मत कराई जाए, ताकि कोई भी पशु करंट की चपेट में ना आए।

जिलाधिकारी ने बैठक में सभी उप मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी अपने-अपने क्षेत्र की गौशालाओं में नियमित रूप से भ्रमण कर यह सुनिश्चित करें कि गौशालाओं में पशुओं के भरण पोषण हेतु भूसा, हरा चारा, पानी एवं स्वास्थ्य संबंधी व्यवस्थाएं सुदृढ़ रहे। उन्होंने कहा कि सभी पशु चिकित्सा अधिकारी गौशालाओं में पशुओं की संख्या पर विशेष फोकस रखें और अपने भ्रमण के दौरान गौशाला में उपस्थिति रजिस्टर में दर्ज संख्या से मूल संख्या का मिलान अवश्य करें। साथ ही कहा कि सभी उप मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी अपने-अपनी तहसीलों में प्रत्येक माह टास्क फोर्स की बैठक नियमित रूप से करायें। इसके उपरांत जिलाधिकारी की अध्यक्षता में बर्ड फ्लू के संबंध में जिला स्तरीय टास्क फोर्स की बैठक संपन्न हुई, जिसके संबंध में मुख्य पशु चिकित्साधिकारी द्वारा अवगत कराया गया कि जनपद में पशु चिकित्साधिकारियों की टास्क फोर्स टीमों का गठन कर दिया गया है। इनके द्वारा आवश्यकता पडने पर कार्यवाही की जायेगी। बैठक में सभी उपस्थित सदस्यों को निर्देश दिये कि बर्ड फ्लू के संबंध में शक्त निगरानी रखे। बैठक का संचालन उप मुख्य पशु चिकित्साधिकारी दादरी / प्रभारी मुख्य पशु चिकित्साधिकारी गौतमबुद्धनगर डॉ अजय कुमार त्रिपाठी द्वारा किया गया।

जिलाधिकारी ने पशु चिकित्सा विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि बर्ड फ्लू के लक्षण एवं उससे बचाव किस संबंध में जनपद में व्यापक स्तर पर प्रचार प्रसार करते हुए पशुपालकों को जागरूक बनाया जाए। इस बैठक में मुख्य विकास अधिकारी विद्यानाथ शुक्ला, अपर जिधिकारी प्रशासन मंगलेश दुबे तथा अन्य समिति के सदस्य के रूप में जिला स्तरीय अधिकारी एवं पशु पालन विभाग के समस्त उप मुख्य पशु चिकित्साधिकारी /पशु चिकित्साधिकारी, प्राधिकरण के प्रभारी अधिकारी, स्थानीय निकायो के अधिकारी, अपर मुख्य अधिकारी, जिला पंचायत, खण्ड विकास अधिकारी, बिसरख अधिशासी अधिकारी दादरी, दनकौर आदि उपस्थित थे।

प्रयागराज कुंभ पर जरूरी सूचना

प्रयागराज। यदि आप प्रयाग में कहीं फसें हुए हैं और बैंक रोड, बालसन चौराहा (भारद्वाज आश्रम), प्रयाग जंक्शन, लल्ला चुंगी के आस-पास हों और रुकने का आश्रम स्थल ढूंढ रहे हों तो उन सभी यात्रियों को सादर सूचनार्थ

इलाहाबाद विश्वविद्यालय प्रशासन और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा यात्रियों के रुकने हेतु विश्वविद्यालय खोल दिया गया है एवं टेंट आदि की व्यवस्था भी है अन्दर।

अतः आप सभी किसी से पूछते हुए विश्वविद्यालय के गेट नम्बर-1 के पास आ सकते हैं ।काशी प्रांत के संघ कार्यकर्ता यथा संभव सहयोग के लिए तैयार हैं।

किसी भी जानकारी एवं अलग स्थान और दिशाओं में जाने हेतु संपर्क नंबर

- राकेश तिवारी जी,सह प्रांत कार्यवाह,काशी केंद्र 9454940375
- आदित्य जी, विभाग प्रचारक,प्रयाग 9452433932
- मुकेश जी,भाग कार्यवाह,कुंभ मेला क्षेत्र 9450502262
- मनोज जी,भाग कार्यवाह,मध्य शहर,और प्रयाग जंक्शन स्टेशन क्षेत्र,9307025992
- प्रेमसागर जी,जिला प्रचारक,गंगापार,पड़ोस जिला, अयोध्या जी या लखनऊ की तरफ से आने वाला क्षेत्र।9889800307,
- अजय जी, विभाग बौद्धिक प्रमुख,प्रयाग,नैनी और अरेल क्षेत्र,9838599503
- पवन त्यागी - (मीडिया विभाग) - 9968304899

– राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ

विजय कौशल जी की श्रीराम कथा के लिए बैंड बाजे के साथ निकली कलश यात्रा

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

नोएडा। मंगलमय परिवार न्यास की तरफ से दिव्य श्री राम कथा का आयोजन 1 से 9 फरवरी तक शाम 3 बजे से 6 तक रामलीला मैदान नोएडा स्टेडियम सेक्टर 21अ में किया जाएगा। इसी क्रम में दिव्य श्रीरामकथा से पहले शुक्रवार को नोएडा स्टेडियम में बैंड बाजे के साथ कलशयात्रा निकाली गई। इसमे सैंकड़ों की संख्या में श्रद्धालुओं ने हिस्सा लिया' महिलाओं के सिर पर कलश थे जबकि पुरुषों के हाथ मे मंजीरा बज रहे थे। नोएडा स्टेडियम में लगभग 9 दिन तक चलने

वाली यह राम कथा वृंदावन में चल रही श्रीजी की रसोई की सहायतार्थ होगी। राम कथा का वाचन/ गायन प्रख्यात मानस मर्मज्ञ पूज्य संत श्री विजय कौशल जी महाराज द्वारा किया जाएगा। कलश यात्रा गेट नम्बर सात से शुरू हुई और सेक्टर 12 में पेट्रोल पंप के सामने से निकलकर सेक्टर 22 और एडोब चौराहे से सेक्टर 25 की तरफ घूमी। गेट नम्बर 4 से कलश यात्रा ने स्टेडियम में प्रवेश किया। इसके बाद वापसी कथा स्थल पर समापन हुआ। कलश यात्रा के दौरान भगवान श्रीराम दरबार और पवित्र श्री रामायण रथ में विराजमान थे। समापन के बाद सभी कलशों को मंच के साथ रख दिया गया। आप सब की सहायता से चलने वाली श्रीजी की रसोई की सहायता के लिए ही नोएडा में श्री राम कथा का आयोजन किया जा रहा है। इस कथा के माध्यम से नोएडा के 1100 परिवारों को मंगलमय परिवार से जोड़ने की कोशिश की जा रही है। आयोजन समिति के अध्यक्ष महेश गुप्ता ने बताया कि श्री राम कथा के लिए भव्य पंडाल लगाया गया है। राम कथा के आयोजन से संबंधित व्यवस्थाओं के बारे में महेश गुप्ता जी ने बताया कि पंडाल में लगभग ढाई हजार लोगों के बैठने की व्यवस्था होगी। राम कथा में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर खास इंतजाम किए गए है' कलश यात्रा में नेवैद्य शर्मा, परमात्मा शरण बंसल, धर्मपाल गोयल, राजीव अजमानी, संदीप तायल, पवन शर्मा, संजय बाली, अजय पुन्डीर, विनय अग्रवाल आदि मौजूद रहे।

प्रज्ञान विश्वम् जर्मनी के कौंसलावास में

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

जर्मनी। गणतंत्र दिवस पर आयोजित एक भव्य कार्यक्रम में भारत के प्रधान कौंसलावास, फ्रैंकफर्ट जर्मनी में कॉन्सुलेट जनरल माननीय श्री बी एस मुबारक को भारत के सुप्रसिद्ध वैचारिक संचेतना के कवि तथा मैक्समूलर सम्मान से अलंकृत पंडित सुरेश नीरव के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को समर्पित बहुराष्ट्रीय पत्रिका प्रज्ञान विश्वम का विशेष अंक प्रज्ञान विश्वम्-पत्रिका की संपादक डॉ. शिप्रा शिल्पी सक्सेना, कोलोन, जर्मनी ने भेंट किया।

उल्लेखनीय है कि डॉ. शिप्रा शिल्पी सक्सेना भारतीय कौंसलवास, न्यूयॉर्क की आधिकारिक हिन्दी पत्रिका 'अनन्य - जर्मनी', 'साहित्य समाचार पोर्टल', यूरोप एवं बहुभाषीय पत्रिका 'प्रज्ञान - विश्वम' की संपादक तथा 'विश्वरंग' जर्मनी की हेड कॉर्डिनेटर है। गणतंत्र दिवस के आयोजित इस समारोह में सुप्रसिद्ध साहित्यकार, संपादक, मीडिया प्रोफेशनल डॉ शिप्रा शिल्पी सक्सेना को भारत का प्रधान कौंसुलावास, फ्रैंकफर्ट, द्वारा सम्मानित भी किया गया। ज्ञातव्य हो कि डॉ शिप्रा शिल्पी विगत एक दशक से जर्मनी के कोलोन शहर में निवास करते हुए हिन्दी भाषा, साहित्य एवं संस्कृति का प्रचार-प्रसार कर रही हैं तथा हिंदी सेवा के लिए मॉरीशस के प्रधानमंत्री से भी सम्मानित की जा चुकी हैं।

लघु उद्योगों के प्रति दिल्ली सरकार की उपेक्षा से दिल्ली के उद्यमियों में रोष

नई दिल्ली। दिल्ली के राजस्व और रोजगार सृजन में महत्वपूर्ण योगदान करने वाले दिल्ली के सूक्ष्म और लघु उद्यमियों के प्रतिनिधियों ने आज अपने प्रति दिल्ली सरकार के उपेक्षापूर्ण और प्रताड़ित करने वाले व्यवहार के विरुद्ध रोष प्रकट करने के लिए दिल्ली के प्रैस क्लब में एक प्रैस कॉन्फ्रेंस की।

उपस्थित उद्योग प्रतिनिधि इस बात से बहुत आक्रोशित थे कि आगामी दिल्ली विधानसभा चुनाव में राजनैतिक पार्टियों के चुनाव घोषणापत्रों में भी उद्यमियों के मुद्दों को स्थान नही दिया गया है।

दिल्ली में देश में सबसे महंगी औद्योगिक बिजली के लिए वर्तमान दिल्ली सरकार को दोषी ठहराते हुए उद्योग प्रतिनिधियों ने बताया कि दिल्ली में औद्योगिक बिजली के दाम पिछले 10 वर्षों में दोगुने हो गए हैं। बिजली की मूल दर पर मनमाने और अपारदर्शी ढंग से अन्य शुल्क लगाए गए हैं। यँहा तक कि सरकारी कर्मचारियों को पेंशन देने का बोझ भी बिजली के बिलों में शामिल किया गया है। इसके कारण दिल्ली में औद्योगिक बिजली के बिलों में प्रति युनिट प्रभावी दर सभी पड़ौसी राज्यों की तुलना में दुगुनी हो गई है। इस कारण दिल्ली के छोटे उद्यमी व्यापारिक प्रतिस्पर्धा से बाहर होकर दिल्ली से पलायन कर रहे हैं या बन्द हो रहे हैं।

दिल्ली की वर्ष 2023-24 की आर्थिक सर्वेक्षण रिपोर्ट के अनुसार दिल्लीमें कुल 3.94 लाख पंजीकृत टरटए है जिनमें 93% सूक्ष्म श्रेणी के है।2011 -12 की तुलना में 2023 - 24 में दिल्ली की GDP में मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर का योगदान 33% कम हो गया है।

न्यूनतम 20 लाख लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार देने और राजस्व में महत्वपूर्ण योगदान करने वाले उद्योग दिल्ली सरकार की प्राथमिकता में कहीं नही हैं। यह इस तथ्य से स्पष्ट होता है कि वर्ष 2023 -24 में दिल्ली सरकार ने इस क्षेत्र पर मात्र 110 करोड़ खर्च किये, जबकि दिल्ली की जेलों पर ही 129 करोड़ रुपये खर्च किये गए।

दिल्ली के औद्योगिक भूखण्डों को लीज होल्ड से फ्रीहोल्ड करने की माँग उद्यमी अनेक वर्षों से कर रहे है। इस हेतु 2005 में लाई गई पॉलिसी राज्य सरकारकी उदासीनता और DDA आदि अन्य केंद्रीय एजेंसियों से समन्वय के अभाव में अभी तक क्रियान्वित नही हो पाई है। अनेक उद्यमियों द्वारा इस हेतु पूरा भुगतान कर दिए जाने के बाद भी फ्रीहोल्ड के अधिकार देने की बजाय उनको अनावश्यक न्यायालयों में उलझा दिया गया है।एक मामले में तो दिल्ली हाईकोर्ट द्वारा उद्यमियों के पक्ष में दिए निर्णय के विरुद्ध DSIIDC सुप्रीम कोर्ट तक चली गई है। रिलोकेशन स्कीम 1996 के 52000 से अधिक उद्यमियों को 2005 की फ्रीहोल्ड पॉलिसी में अभी तक सम्मिलित नही किया गया है।

उद्यमियों को अपनी भूमि का मालिकाना अधिकार ना मिलना दिल्ली के औद्योगिक विकास को रोक रहा है। यदि दिल्ली की औद्योगिक सम्पत्तियां फ्री होल्ड हो जाये तो दिल्ली में अनेक प्रकार के नए उद्योग लगने की अपार संभावनाएं है। दिल्ली जल बोर्ड दिल्ली के औद्योगिक क्षेत्रों में पर्याप्त पानी उपलब्ध नही करा पा रहा परन्तु पानी के कनेक्शन के नाम पर भारी भरकम राशि वसूल रहा है। दिल्ली का छोटा उद्यमी पानी की कमी से जूझ रहा है।

उल्लेखनीय है कि उद्योगों को पानी की कमी से राहत देने के लिये भारत सरकार के जलशक्ति मंत्रालय द्वारा टरटए को 10000 लीटर भूजल दोहन की अनुमति दिल्ली सरकार ने अभी तक लागू नही की है।

आज जब पिछले 10 वर्षों में देश की ईज ऑफ डूइंग बिजनेस रैंकिंग में उल्लेखनीय सुधार हुआ है, दिल्ली में ये रैंकिंग निरन्तर गिर रही है। आज उत्तरप्रदेश इस मामले में दिल्ली से कँही आगे है।इसका कारण दिल्ली में अनेकों प्रकार के अनावश्यक लाइसेंस और अनुमतियां लेने की प्रकिया का पारदर्शी ना होना है।इसका एक उदाहरण नगर निगम का अनावश्यक फैक्ट्री लाइसेंस है जिसे समाप्त करने की सिफारिश 2016 में तत्कालीन तीनों नगर निगमों ने राज्य सरकार को भेज दी थी लेकिन राज्य सरकार आज तक इसे समाप्त करने की पहल नहीं कर सकी।

औद्योगिक इंफ्रास्ट्रक्चर का विकास दिल्ली सरकार की प्राथमिकता में ही नही है। उद्यमियों से लीज रेंट, प्रोपर्टी टैक्स और मेंटेनेन्स चार्ज के नाम पर अलग-अलग राशि वसूलने के बाद भी दिल्ली के औद्योगिक क्षेत्र मूल भूत सुविधाओं के लिए भी तरस रहे हैं, औद्योगिक इंफ्रास्ट्रक्चर मिलना तो दूर की बात है।

दिल्ली सरकार की उदासीनता को समझने के लिए आनन्द पर्वत से टीकरी बॉर्डर तक जाने वाली रोहतक रोड, जिसके दोनों ओर दिल्ली के दर्जनों औद्योगिक क्षेत्र स्तिथ है, की बदहाल स्थिति का एक उदाहरण ही पर्याप्त है। इस पर प्रायः ट्रैफिक जाम रहता है लेकिन राज्य सरकार स्तिथि को सुधारने के लिए कुछ नही कर रही है।

दिल्ली की सड़कों की खराब स्तिथि और अतिक्रमण के कारण बढ़ते प्रदूषण का दुष्परिणाम भी ऋफ्अढ के रूप में दिल्ली के उद्यमियों को भुगतना पड़ता है। GRAP के समय औद्योगिक -व्यापारिक गतिविधियां ठप्प हो जाती हैं। निर्माण गतिविधियों पर रोक लगने से भी सभी उद्योग प्रभावित होते है।

उद्योग प्रतिनिधियों ने एक स्वर में दिल्ली में ऐसी सरकार लाने का आह्वान किया, जो दिल्ली के उद्यमियों की समस्याओं को समझकर दिल्ली में औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने वाली नीतियां बनाकर उन्हें क्रियान्वित करे, बिजली के अतार्किक रूप से महंगे बिलों से राहत दिलाये और औद्योगिक क्षेत्रों सहित पूरी दिल्ली के आधारभूत ढांचे को सुदृढ़ बनाकर बढ़ते प्रदूषण से दिल्ली को राहत दिलाये।

सेहत/स्वास्थ्य

डाइट में शामिल करेंगे ये ड्राई फ्रूट तो कमजोर हड्डियों में भर जाएगी जान, मिलेंगे ढेर सारे फायदे

अगर आप भी बोन हेल्थ सुधारना चाहते हैं, तो आप अपनी डाइट में कैल्शियम रिच फूड्स को शामिल कर सकते हैं। कैल्शियम रिच फूड को अपनी डाइट में शामिल करने से हड्डियां काफी हद तक मजबूत हो सकती हैं।

अनन्या मिश्रा

आजकल के खराब खानपान और अनहेल्दी लाइफस्टाइल की वजह से बोन हेल्थ बुरी तरह से प्रभावित हो सकती है। इसलिए अगर आप लंबे समय तक फिट और हेल्दी रहना चाहते हैं, तो हमेशा हेल्दी खानपान की ओर ध्यान देना चाहिए। इसके अलावा आप अपनी डाइट में कैल्शियम रिच फूड्स को शामिल कर सकते हैं। कैल्शियम रिच फूड को अपनी डाइट में शामिल करने से हड्डियां काफी हद तक मजबूत हो सकती हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको ड्राई फ्रूट के बारे में बताने जा रहे हैं, जो आपकी मसल और बोन हेल्थ को सुधारने में मददगार साबित हो सकता है।

हड्डियों के लिए फायदेमंद

हेल्थ एक्सपर्ट के अनुसार, मखाना खाने से कमजोर हड्डियों में जान भर सकती है। जब हड्डियों में ताकत कम हो जाती है, तो लोगों को जोड़ की समस्या का सामना करना पड़ सकता है। ऐसे में अगर आप हर रोज मखाना खाते हैं, तो आपको जॉइंट पेन से छुटकारा मिल सकता है।

सेहत के लिए वरदान है मखाना

मखाना में मैग्नीशियम, आयरन, पोटैशियम, फॉस्फोसर, जिंक और फाइबर भरपूर मात्रा में पाई जाती है। इसमें पाए जाने वाले तमाम पोषक तत्व हमारी सेहत के लिए वरदान होते हैं। मखाने का सेवन करने से गट हेल्थ अच्छी रहती है। वहीं पेट से जुड़ी समस्याओं से निजात पाने के लिए डाइट में मखाना शामिल कर सकते हैं।

मिलेंगे ढेर सारे फायदे

बता दें कि मखाना खाकर आप अपनी हार्ट हेल्थ को बेहतर बना सकते हैं। मखाने में जो पोषक तत्व पाए जाते हैं, वह दिल से जुड़ी गंभीर और जानलेवा बीमारियों के खतरे को कम करने में सहायक साबित हो सकते हैं। इसके अलावा इसके सेवन से ब्लड प्रेशर भी कंट्रोल में रहता है। यह वेट लॉस की जर्नी में भी काफी फायदेमंद माना जाता है।

ब्यूटी / फैशन

बसंत पंचमी पर स्टाइल करें ये सिल्क साड़ी, मिलेगा महारानी जैसा लुक

अनन्या मिश्रा

इस बार 02 फरवरी 2025 को बसंत पंचमी का पर्व मनाया जा रहा है। इस दिन विद्या की देवी मां सरस्वती की पूजा-अर्चना की जाती है। इस पर्व पर हर कोई एथनिक आउटफिट स्टाइल करना पसंद करता है। वहीं कलर की बात करें, तो इस दिन हर कोई येलो कलर पहनना पसंद करता है। क्योंकि बसंत पंचमी के दिन येलो कलर का अपना खास महत्व होता है। यह कलर इस पर्व से जुड़ा होता है। ऐसे में आप भी बसंत पंचमी के पर्व पर येलो कलर की साड़ी वियर कर सकती हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि इस फेस्टिवल में आपको किस तरह की सिल्क की साड़ी पहननी चाहिए। इस तरह की साड़ी में आपका लुक बेहद खूबसूरत नजर आएगा।

इस बार 02 फरवरी 2025 को बसंत पंचमी का पर्व मनाया जा रहा है। इस दिन हर कोई येलो कलर पहनना पसंद करता है। क्योंकि बसंत पंचमी के दिन येलो कलर का अपना खास महत्व होता है।

बॉर्डर वर्क वाली साड़ी

अगर आप अपने लुक को सिंपल और क्लासी रखना चाहती हैं, तो आप बसंत पंचमी पर बॉर्डर वर्क वाली सिल्क साड़ी पहन सकती हैं। यह साड़ी पहनने के बाद आपका लुक काफी क्लासी और एलिगेंट लगेगा। इस तरह की साड़ी में आपको पतला और चौड़ा हर तरह के बॉर्डर वाली डिजाइन मिल जाएगी। बॉर्डर वर्क वाली साड़ी के ब्लाउज पर भी बॉर्डर का वर्क मिलेगा। वहीं अगर इसके पल्लू की बात की जाए, तो आपको नीचे की ओर चौड़ा बॉर्डर मिलेगा। इससे साड़ी काफी अच्छी लगती है। मार्केट में आपको आसानी से ऐसी साड़ी मिल जाएगी। इस साड़ी के साथ आप गोल्ड एक्सेसरीज भी वियर कर सकती हैं।

फ्लोरल प्रिंट वाली सिल्क साड़ी

फूलों की तरह महकना किसे पसंद नहीं होता है। ऐसे में आप बसंत पंचमी के मौके पर फ्लोरल प्रिंट वाली सिल्क साड़ी को स्टाइल कर सकती हैं। यह साड़ी पहनने पर काफी अच्छी लगती हैं। इस तरह के फ्लोरल प्रिंट में आपको छोटे-बड़े हर तरह की प्रिंट में साड़ी मिल जाएगी। वहीं इस साड़ी के साथ जो ब्लाउज मिलेगा वह प्लेन डिजाइन में होगा। इससे साड़ी का वर्क और अच्छे से हाईलाइट होगा। साथ ही इसका लुक और भी खूबसूरत मिलेगा। आप फ्लोरल वर्क वाली ज्वेलरी पहनकर अपने लुक को कंप्लीट कर सकती हैं। मेकअप लुक को सिंपल रखें।

डबल शेड वाली सिल्क साड़ी

अगर आप सुंदर दिखना चाहती हैं, तो इस बार बसंत पंचमी के मौके पर आप डबल शेड वाली सिल्क साड़ी स्टाइल कर सकती हैं। इस तरह की साड़ी के साथ ज्वेलरी पहनकर अपने लुक को कंप्लीट करें। अगर आप पूजा में इस तरह की साड़ी पहनेंगी, तो आपको लुक बहुत अच्छा लगेगा। साथ ही हर कोई आपकी तारीफ करेगा। मार्केट में आपको इस तरह की साड़ी आसानी से मिल जाएगी।

पर्यटन

ट्रैकिंग के शौकिनों के लिए यह एक आदर्श स्थल है येलागिरी

येलागिरी की प्रमुख आकर्षणों में से एक येलागिरी झील है, जहां पर्यटक नौका विहार का आनंद ले सकते हैं। इस झील के चारों ओर हरे-भरे बाग-बगिचे और प्राकृतिक सुंदरता फैली हुई है, जो पर्यटकों को विश्राम और शांति का अहसास कराती है।

प्रीटी

येलागिरी, तमिलनाडु राज्य का एक छोटा सा पर्वतीय स्थल है, जो चित्ताकर्षक प्राकृतिक दृश्यावलियों, शांतिपूर्ण वातावरण और रोमांचक पर्यटन स्थलों के लिए प्रसिद्ध है। यह स्थान विशेष रूप से उन पर्यटकों के लिए आदर्श है जो शहरी हलचल से दूर शांतिपूर्ण जगहों की तलाश में रहते हैं। यहां के हरे-भरे पहाड़, खूबसूरत झीलें और सुरम्य ट्रैकिंग रूट्स पर्यटकों को आकर्षित करते हैं। आइए जानते हैं येलागिरी के कुछ प्रमुख पर्यटन स्थलों के बारे में।

1. येलागिरी झील

येलागिरी की प्रमुख आकर्षणों में से एक येलागिरी झील है, जहां पर्यटक नौका विहार का आनंद ले सकते हैं। इस झील के चारों ओर हरे-भरे बाग-बगिचे और प्राकृतिक सुंदरता फैली हुई है, जो पर्यटकों को विश्राम और शांति का अहसास कराती है। यहां बच्चों के खेलने के लिए पार्क भी हैं, जो इसे परिवारों के लिए एक आदर्श स्थल बनाता है।

2. स्वामीमलई हिल्स

स्वामीमलई हिल्स येलागिरी की सबसे ऊंची चोटी है और यहां ट्रैकिंग का आनंद लिया जा सकता है। ट्रैकिंग के शौकिनों के लिए यह एक आदर्श स्थल है, क्योंकि यहां की चढ़ाई आपको अद्वितीय दृश्य और प्रकृति के नजारे प्रदान करती है। इसके ऊपर से आसपास के इलाके का दृश्य बहुत ही मनमोहक होता है।

3. पंगलिंगम झरना

येलागिरी के पंगलिंगम झरने में गिरते हुए पानी की आवाज और ठंडी हवा पर्यटकों को ताजगी का एहसास कराती है। यह झरना प्रकृति प्रेमियों और फोटोग्राफी के शौकिनों के लिए एक आदर्श स्थल है। यहां पहुंचने के लिए कुछ ट्रैकिंग भी करनी पड़ती है, जो इस स्थान को और भी रोमांचक बनाती है।

4. जैन मंदिर

येलागिरी में स्थित जैन मंदिर एक ऐतिहासिक और धार्मिक स्थल है। यह मंदिर शांतिपूर्ण वातावरण में स्थित है और यहां के दर्शन करने से एक अलग ही अनुभव मिलता है। यह मंदिर अपनी वास्तुकला और धार्मिक महत्व के कारण पर्यटकों को आकर्षित करता है।

5. विलियानुर झरना

यह झरना येलागिरी के पास स्थित एक और लोकप्रिय स्थान है। यहां पर गिरते पानी के झरने के साथ-साथ आसपास की हरी-भरी वादियों का दृश्य बहुत ही मनमोहक होता है। इस झरने के पास घूमने और प्रकृति के नजारे का आनंद लिया जा सकता है।

6. येलागिरी पार्क

यह पार्क येलागिरी झील के पास स्थित है और यहां आप परिवार के साथ पिकनिक का आनंद ले सकते हैं। पार्क में बच्चों के खेलने के लिए खेलकूद के सामान और अन्य सुविधाएं भी उपलब्ध हैं। यह स्थल विशेष रूप से परिवारों के लिए एक आदर्श गंतव्य है।

7. अक्टिविटी और एडवेंचर स्पोर्ट्स

येलागिरी में कई एडवेंचर एक्टिविटीज भी होती हैं, जैसे पैराग्लाइडिंग, ट्रैकिंग, माउंटेन बाइकिंग आदि। इन गतिविधियों के माध्यम से आप प्रकृति के करीब जाकर रोमांचक अनुभव ले सकते हैं।

8. जंगल सफारी

अगर आप जंगल और वन्यजीवों के प्रेमी हैं, तो येलागिरी के आस-पास के जंगलों में सफारी का अनुभव भी ले सकते हैं। यहां के घने जंगलों में विभिन्न प्रकार के पक्षी और जानवरों की प्रजातियां पाई जाती हैं।

9. सूर्योदय और सूर्यास्त दृश्य

येलागिरी के पहाड़ों से सूर्योदय और सूर्यास्त का दृश्य अत्यंत अद्भुत होता है। यहां के पहाड़ी इलाकों में सूरज के निकलने और ढलने के समय के दृश्य पर्यटकों को मंत्रमुग्ध कर देते हैं। यदि आप प्रकृति प्रेमी हैं, तो यह दृश्य आपके लिए यादगार होगा।

येलागिरी एक शांति और प्राकृतिक सुंदरता से भरपूर स्थल है। यहाँ का वातावरण, झीलें, झरने, पहाड़ और ट्रैकिंग रूट्स आपको शांति और रोमांच का बेहतरीन मिश्रण प्रदान करते हैं।

यदि आप एक यात्रा प्रेमी हैं और प्राकृतिक सौंदर्य में खो जाना चाहते हैं, तो येलागिरी एक बेहतरीन गंतव्य हो सकता है। इस सुरम्य पहाड़ी स्थल पर यात्रा करते हुए आप न केवल अपनी मानसिक शांति को पुनः प्राप्त कर सकते हैं, बल्कि एक अद्भुत अनुभव भी प्राप्त कर सकते हैं।

घरेलू नुस्खे

बसंत पंचमी पर बनाएं स्वादिष्ट कद्दू का हलवा, इस खास भोग से प्रसन्न होगी मां सरस्वती

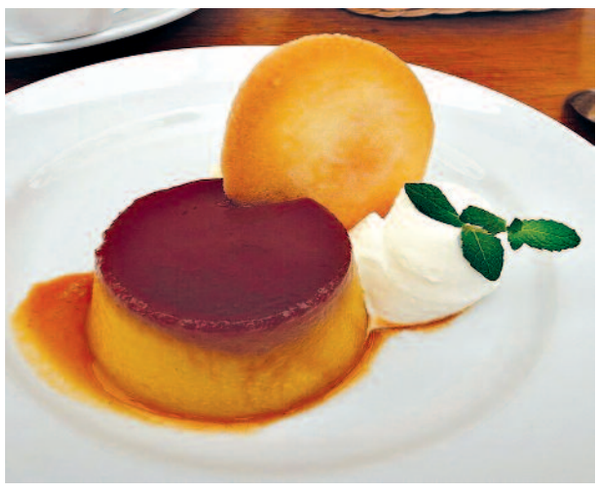

बसंत पंचमी के दिन विद्या की मां सरस्वती को पीले रंग की बनी चीजों का भोग बनाकर प्रसाद चढ़ाया जाता है। ऐसे में अगर आप भी मां सरस्वती को प्रसन्न करने के लिए भोग में कुछ अलग और टेस्टी बनाना चाहते हैं।

अनन्या मिश्रा

हिंदू पंचांग के मुताबिक हर साल माघ महीने के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को बसंत पंचमी का पर्व मनाया जाता है। इस साल 02 फरवरी को 2025 को बसंत पंचमी को मनाई जाएगी। धार्मिक मान्यता है कि इस शुभ दिन मां सरस्वती की पूजा की जाती है। मां सरस्वती की पूजा करने से ज्ञान, बुद्धि और वैभव की प्राप्ति होती है। इस दिन विद्या की मां सरस्वती को पीले रंग की बनी चीजों का भोग बनाकर प्रसाद चढ़ाया जाता है। ऐसे में अगर आप भी मां सरस्वती को प्रसन्न करने के लिए भोग में कुछ अलग और टेस्टी बनाना चाहते हैं। ऐसे में आप बसंत पंचमी के दिन कद्दू का हलवा बना सकते हैं। यह हलवा न सिर्फ खाने में टेस्टी होता है, बल्कि इसको बनाना भी बहुत आसान है। बच्चों से लेकर बड़े लोगों तक को इसका स्वाद बेहद पसंद आता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको यहां पर कद्दू के हलवे की रेसिपी के बारे में बताने जा रहे हैं।

कद्दू के हलवे की सामग्री

कद्दू- 1 किलो
दालचीनी- 1 1/2
पानी- 150 मिली
चीनी- 150 ग्राम
मक्खन या घी- 4 बड़े चम्मच
रोस्टेड नारियल- 2 बड़ा चम्मच
कद्दूकस किया हुआ
किशमिश- 50 ग्राम
बादाम की कतरन- 2 बड़े चम्मच

ऐसे बनाएं कद्दू का हलवा

कद्दू का हलवा बनाने के लिए एक पैन में कद्दू, पानी और दालचीनी डालकर उसे ढककर नरम होने तक पकने दें। अब पानी को छानकर कद्दू को मैश कर लें। अब दूसरे बड़े पैन 4 चम्मच घी गर्म करके उसमें कद्दू डालकर लगातार चलाएं। जब इसकी प्यूरी गाढ़ी हो जाए और रंग बदलने तक करीब 10 मिनट पकाएं। अब चीनी डालकर हलवा डालकर पकने तक चलाएं। आप चाहें तो, हलवे में चीनी की जगह गुड़ का भी इस्तेमाल कर सकते हैं। इस आसान तरह से कद्दू का हलवा बनकर तैयार हो जाएगा और इसे सर्विंग डिश में निकालकर उसमें बादाम, किशमिश और नारियल से गॉर्निश करें।

डा. के. एन. मोदी ग्लोबल स्कूल में बसंत पंचमी पर कार्यक्रम आयोजित

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर। बसंत पंचमी के आयोजन पर बसंत पंचमी वसंत ऋतु के आगमन और ज्ञान, संगीत और कला की हिंदू देवी सरस्वती के सम्मान में मनाई जाती है। यह छात्रों, कलाकारों और विद्वानों के लिए एक शुभ दिन है जो बुद्धि और रचनात्मकता के लिए उनसे आशीर्वाद मांगते हैं। छात्रों को इसी पावन पर्व से अवगत कराने हेतु डॉ. के. एन. मोदी ग्लोबल स्कूल टेक्सटाइल शाखा में बसंत पंचमी के पर्व का आयोजन किया गया। इस दिन विशेष प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया। प्रार्थना सभा में विद्यालय के प्रधानाचार्य वी. के. राणा, हेडमिस्ट्रेस श्रीमती सपना खुराना, कोऑर्डिनेटर प्रेरणा वर्मा, सभी शिक्षकगण एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। प्रार्थना सभा में सर्वप्रथम माँ सरस्वती की पूजा की गई साथ ही विद्यालय की हिंदी व संस्कृत विषय की अध्यापिका सोनिया शर्मा द्वारा संस्कृत सरस्वती वंदना सुनाई गई एवं हिंदी अर्थ बताया गया। संस्कृत वंदना के द्वारा सभी छात्रों ने मां सरस्वती का ध्यान करते हुए मां सरस्वती से विद्या एवं संगीत आदि कलाओं को प्रदान करने का आग्रह किया एवं माँ सरस्वती को प्रणाम किया। इसके उपरांत कार्यक्रम को आगे बढ़ते हुए मंच का संचालन कक्षा तीन की छात्रा मानवी व आव्या तिवारी के द्वारा किया गया। उसके पश्चात कक्षा 5 एवं कक्षा 6 की छात्राओं द्वारा बहुत ही सुंदर सरस्वती वंदना प्रस्तुत की गई जिसे सुन सभी मंत्र मुक्त हो उठे।कक्षा 6 के छात्र यथार्थ ने बसंत पंचमी विषय पर एक भाषण प्रस्तुत किया जिसे सुनकर सभी छात्र बसंत पंचमी के इस पावन अवसर से अवगत हुए इसके पश्चात नन्हे नन्हे छात्रों ने एक विशेष नृत्य का प्रस्तुति की जिसे देख सभी प्रसन्न हो गए एवं सभी ने खूब तालियाँ बजाई। इसके पश्चात कक्षा 6 एवं 5 की छात्राओं द्वारा ही सरस्वती वंदना पर बहुत सुंदर नृत्य को प्रस्तुत किया गया जिसे देख सभी मंत्र मुग्ध हो गए इसके पश्चात विद्यालय की हेडमिस्ट्रेस सपना खुराना द्वारा छात्रों को प्रोत्साहित किया गया एवं सभी को खूब-खूब बधाइयां दी एवं छात्रों के उज्जवल भविष्य की कामना की इसके अंदर विद्यालय की परीक्षा संचालक ममता शर्मा द्वारा सभी का आभार प्रकट किया गया। तत्पश्चात विद्यालय में सभी छात्रों के द्वारा पतंग बाजी का आनंद लिया गया इस प्रकार संपूर्ण दिवस बहुत ही आनंद और भक्तिमय रहा।

राज चौपला पर प्रस्तावित आरओबी से प्रभावित दुकानदारों ने विरोध स्वरूप धरना दिया

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर। राज चौपला पर प्रस्तावित आर ओ बी से प्रभावित दुकानदारों ने विरोध स्वरूप गुरुवार को राज चौराहा पर एक दिवसीय धरना दिया । प्रभावित दुकानदारों ने इस संबंध में उप जिलाधिकारी को एक ज्ञापन लिखा है जो आगामी संपूर्ण समाधान दिवस पर संबंधित अधिकारी को सौंपा जाएगा। ज्ञापन में बताया गया है कि प्रभावित लोग उपजिलाधिकारी को अवगत कराना चाहते कि उनको अखबारों के माध्यम से पता चला है की स्थानीय राज चौराहा पर एक आर ओ बी की परियोजना के अंतर्गत भूस्वामियों को अपने कागजात प्रस्तुत करने को कहा गया है। अवगत कराना चाहते हैं कि पूर्व में हम लोगों को इस प्रकार की कोई जानकारी नहीं दी गई कि राज चौपले पर आर ओ बी का निर्माण कराया जाएगा और न ही हम लोगों से कोई सहमति ली गई। यह भी अवगत कराना चाहते हैं कि हम लोग इस क्षेत्र में कई वर्षों से रह रहे हैं। और अपना अपना व्यवसाय कर जीवन यापन कर रहे हैं। यदि प्रस्तावित भूमि का अधिग्रहण किया जाता है तो हम सब लोगों के घर और व्यवसाय उजड़ जायेगा। तथा हमारे बच्चे और बुजुर्गों का जीवन दुःखद हो जाएगा।हम यह भी कहना चाहते हैं कि हम इस परियोजना के डिजाइन से बिल्कुल सहमत नहीं हैं। इस परियोजना को वैकल्पिक स्थान पर अथवा मैप में परिवर्तन करके लागू किया जाए । जिससे किसी को कोई परशानी नहीं होगी और कार्य भी बिना विवाद के पूर्ण हो जाएगा। कई सभासदों ने प्रभावित लोगों का समर्थन किया। धरने में डॉ गुरुदत्त, डॉ जी०एन० टंडन, डॉ अवधेश तोमर, डॉ सुनंदा गोविल, डॉ दीपक गुप्ता, डॉ प्रवीण मोदी, सुशील भारद्वाज, अरुण जिंदल घनश्याम जिंदल, अमित गुप्ता, एड अभिनव शर्मा, एड संजय गौड़ आयुष गोयल एवं सभी व्यापारी ओर डॉक्टर्स परिवार सहित उपस्थित रहें।

अनिश्चितकालीन धरना जारी

मोदीनगर। भारतीय किसान यूनियन किसान सभा का मोदीनगर तहसील में चौथे दिन अनिश्चितकालीन धरना किसानों का सुचारू रूप से चल रहा है आज भाकियू के पदाधिकारी व क्षेत्र के किसानों की एक पंचायत हुई जिसमें कल तहसील मोदीनगर से शुगर मिल तक पैदल यात्रा की रणनीति बनाई गई और क्षेत्र के किसानों से अपील की गई शनिवार 11 बजे पैदल यात्रा में ज्यादा से ज्यादा संख्या में आने की अपील की गई। पंचायत में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सत्येंद्र त्यागी, प्रदेश अध्यक्ष देवव्रत धामा, युवा प्रदेश अध्यक्ष विनीत त्यागी, जिलाध्यक्ष अरुण कसाना, युवा जिला अध्यक्ष आसु त्यागी, गौरव त्यागी, अमजद खान, संजय त्यागी, रोहित त्यागी, मोहसिन खान, इरफान ठेकेदार, ताहिर अली, सालीम तोमर, दीनू खान, पुनीत वर्मा, फिरोज खान, रिंकू त्यागी, हैप्पी त्यागी, बादल कासीम, मुनीश आदि लोग मौजूद रहे।

गरीब और अमीर के बच्चों को एक सामान शिक्षा मिलनी चाहिए : के सी त्यागी

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

हापुड़। शुक्रवार को जेडीयू के राष्ट्रीय प्रधान महासचिव व पूर्व सांसद केसी त्यागी हापुड़ के तगासराय स्थित चौधरी ताराचंद इंटर कॉलेज के वार्षिक उत्सव में पहुंचे। जेडीयू के राष्ट्रीय प्रधान महासचिव व पूर्व सांसद केसी त्यागी ने कहा कि सभी छात्रों के लिए एक समान शिक्षा होनी चाहिए। गरीब और अमीर के बच्चे एक साथ बैठकर एक जैसी शिक्षा ग्रहण करें, इस तरह का माहौल हमें बनाना होगा। स्वर्गीय चौधरी चंद्रमणि त्यागी ने ऐसे ही सपने को साकार करते हुए विद्यालय की स्थापना की, जिसका हजारों छात्रों को लाभ मिला है। केसी त्यागी शुक्रवार को तगासराय स्थित चौधरी ताराचंद जनता इंटर कॉलेज के वार्षिकोत्सव पर बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। उन्होंने हिंदी भाषा के उत्थान पर जोर देते हुए कहा कि हिंदी के साथ साथ प्रांतीय भाषाओं को लेकर जिस तरह का विवाद चला जाता है वह खत्म होना चाहिए। मेरा राजनीति में पहला कदम हिंदी से है। कार्यक्रम अध्यक्ष पूर्व विधायक सत्यवीर त्यागी ने कहा कि प्रबंधक तंत्र के कुशल नेतृत्व में विद्यालय चौधरी चंद्रमणि त्यागी के सपनों को साकार कर रहा है।

राज्यमंत्री संजीव गोयल सिक्का ने चौधरी चंद्रमणि त्यागी को श्रद्धांजलि देते हुए उनके प्रयासों को नमन किया। पुलिस अधीक्षक कुंवर ज्ञानंज्य सिंह ने छात्रों से सकारात्मक सोच के साथ आगे बढने का प्रण लिया। विद्यालय के अध्यक्ष व पार्षद रुद्राक्षमुनि त्यागी ने प्रगति रिपोर्ट पढने के साथ ही कहा कि गरीब छात्रों के लिए विद्यालय में शिक्षा का अच्छा माहौल तैयार किया गया है। आवश्यक संसाधन जुटाए हैं, आज कांवेंट स्कूलों की तर्ज पर ही बच्चों को शिक्षा मिल रही है।

आगे इसमें और अधिक सुधार किए जाएंगे। प्रबंधक राजपाल त्यागी ने दसवीं व 12वीं में प्रथम, द्वितीय स्थान पाने वाले पांच छात्रों को घड़ी देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में बच्चों ने देशभक्ति से ओत प्रोत विभिन्न कार्यक्रम प्रस्तुत किए। अतिथियों ने छात्रों का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथियों समेत विशिष्ट अतिथि नवरत्न त्यागी, शशांक मुनि त्यागी, डॉ.निरंजन सिंह त्यागी, घनश्याम त्यागी का प्रबंध तंत्र ने शॉल ओढ़ाकर व प्रतीक चिंह देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम का संचालन मुकुल त्यागी ने किया।

डीआईओएस डॉ.विनीता ने विचार रखे। इस मौके पर विजय त्यागी, संजीव त्यागी, विपिन त्यागी, रामपाल त्यागी, संजय चौधरी, सोनू त्यागी, डॉ.सुदर्शन त्यागी, मोनू त्यागी, मुकेश त्यागी राष्ट्रीय सैनिक संस्था, अमित त्यागी, गौरव त्यागी, राकेश त्यागी, राज नारायण सिंह त्यागी, गिरजेश दत्त शर्मा, चंद्रकांत, प्रशांत त्यागी, पवन भास्कर, शशांक गुप्ता, सतीश त्यागी, राज नारायण त्यागी मौजूद रहे।

निष्काम संस्था में ऐंबुलेंस सेवा हुई शामिल, जिलाधिकारी दीपक मीणा ने हरी झण्डी दिखाकर ऐंबुलेंस को किया रवाना

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर। सामाजिक संस्था निष्काम सेवक जत्था समिति में आज एक नई एम्बुलेंस सेवा भी शामिल हुई। यह ऐंबुलेंस मोदीनगर की टीचर्स कॉलोनी के रहने वाले गुप्ता बंधुओ ने अपने स्वर्गीय पिता राम किशन गुप्ता की स्मृति में निष्काम समिति को भेंट की। गाजियाबाद के नवनियुक्त जिलाधिकारी दीपक मीणा आईएएस ने कलेक्ट्रेट गाजियाबाद से निष्काम की इस ऐंबुलेंस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। निष्काम के अध्यक्ष जसमीत सिंह व वरिष्ठ पदाधिकारियों नें नवनियुक्त जिलाधिकारी गाजियाबाद को पुष्पगुच्छ तथा विशेष रूप से निष्काम की समस्त सेवाओं को प्रदर्शित करने वाला स्मृति चिन्ह भेंट कर निष्काम की तमाम सेवाओं से विस्तारपूर्वक अवगत भी कराया। इस अवसर पर नवनियुक्त जिलाधिकारी गाजियाबाद दीपक मीणा ने निष्काम को नयी ऐंबुलेंस की बधाई देते हुए मानवता की राह पर निस्वार्थ सेवा करते रहने की शुभकामनाएँ देते हुए सामाजिक कार्यो की भागीदारी में अपना भी भरपूर सहयोग देने का भरोसा दिलाया। जसमीत सिंह ने इस सेवा के लिए गुप्ता बंधुओं का आभार प्रकट करते हुए जिलाधिकारी गाजियाबाद को धन्यवाद ज्ञापित किया। जसमीत सिंह ने बताया कि यह ऐंबुलेंस सेवा मोदीनगर के लोगों के कष्ट के समय किफायती कीमत पर 24 घंटे उपलब्ध होगी।

इस अवसर पर निष्काम के मुख्य सरंक्षक चानन लाल ढींगरा, वरिष्ठ सदस्य जसप्रीत सिंह, ललित सचदेवा, धीरज कालरा, अनुप्रीत कौर, ट्विंकल बतरा, निशिथ बावीशी, रविकांत ठाकुर, जसमिन्दर सिंह, संदीप ऑबराय, अनुप्रीत कौर, रिचा शर्मा, अतुल गुसेन, हरसिमर सिंह, गौरव जगपाल, रविन्द्र, आदि विशेष रूप से उपस्थित थे।

मोदी कॉलेज के छात्रों का जोश व उमंग के साथ रोटी क्लब करियर काउंसलिंग में प्रतिभाग

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर। डॉक्टर के एन मोदी साइंस एंड कॉमर्स कॉलेज मोदीनगर गाजियाबाद में प्रधानाचार्य डॉ सतीश चंद्र अग्रवाल की अध्यक्षता में सम्मान समारोह आयोजित किया गया जिसमें डॉक्टर के एन मोदी साइंस एंड कॉमर्स कॉलेज के छात्रों ने रोटरी क्लब गाजियाबाद के करियर काउंसलिंग में प्रतिभाग किया था उन्हें मोमेंटो देकर सम्मानित किया रोटरी क्लब के प्रेसिडेंट, हिमांशु बंसल अंजली बंसल , नितिन गुप्ता वर्षा गुप्ता ,अभिनव मेहता तन्वी मित्तल ,रंजीत खत्री नूपुर खत्री की अध्यक्षता में हिंदी भवन लोहिया नगर गाजियाबाद में करियर काउंसलर गौरव त्यागी डायरेक्टर करियर काउंसलिंग फाउंडेशन ने छात्रों के करियर से रिलेटेड बहुत सारी करियर ऑप्शंस को बहुत डिटेल से समझाया उन्होंने बताया कि बच्चों के लिए आईआईटी ,नीट मेडिकल के अलावा भी बहुत सारे ऑप्शंस हैं बच्चों के बहुत सारे क्रैश कोर्सेज छुट्टियों में होते हैं जो आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस साइबर सिक्योरिटी पर आधारित है।

वह बच्चों को करना चाहिए ओलंपियाड के एग्जाम बच्चों को देना चाहिए इससे बच्चों के अंदर ज्ञान कौशल और क्षमता का विकास होता है उनकी क्वालिटी बढ़ती है उन्होंने बहुत सारे ऑप्शंस के बारे में पीसीएस जे ज्यूडिशल एक्जाम के बारे में बताया और सारी बहुत सारी बातें बच्चों को बताइए बच्चों को बहुत अच्छा लगा कि करियर की भी इतने ऑप्शंस हो सकते हैं जिसमें विद्यालय के 68 छात्रों ने प्रतिभाग कियावहीं छात्रों ने लकी कूपन के आधार पर स्कूल बैग भी जीते सभी छात्रों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया छात्रों को करियर में जाने के बहुत सारे ऑपच्यरुनिटीज का पता लगा छात्रों ने अपॉर्चुनिटी से रिलेटेड करियर काउंसलर से बहुत सारे क्वेश्चन किया जिसका सभी ने सराहना की और कहा कि यह अच्छे कॉलेज के छात्र हैं। उन्होंने प्रिंसिपल डॉ सतीश चंद्र अग्रवाल और रसायन विज्ञान प्रवक्ता श्री राजीव कुमार वर्मा का भी धन्यवाद किया और उन्हें मोमेंट और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया और कहा कि हम आपके स्कूल में भी विजिट करेंगे जिससे हर बच्चे को इसका लाभ मिलेगा वहां पर साइंटिस्टों डॉ बीके त्यागी एक्स साइंटिस्ट विज्ञान प्रसार डिपार्मेंट आफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी और साइंटिस्ट विवेक सुदर्शन ने छात्रों को रिसर्च से रिलेटेड बहुत सारी जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि बहुत सारे बच्चों ने टेक्नोलॉजी में जुगाड़ से बने हुए मॉडल से आगे चलकर बहुत हाई टेक्नोलॉजी के मॉडल में उनको अंजाम दिया श्री सच्चिदानंद एडीसीपी क्राइम ब्रांच गाजियाबाद में बच्चों को साइबर अपराध के बारे में बच्चों को बहुत विस्तार पूर्वक समझाया कि साइबर अपराध इतनी बढ़ रहे हैं उसमें हम सबकी लापरवाही और एक लालच छुपा हुआ है।

उन्होंने कहा कोई साइबर अपराधी अगर कोई किसी को नुकसान पहुंचता है तो उसकी तुरंत जानकारी हमें देनी चाहिए हमने बहुत सारी केस सुलझाई है और लोगों का पैसा वापस कराया है परंतु अभी भी बहुत सारे केस साइबर अपराधियों के पेंडिंग पड़े हुए हैं प्रधानाचार्य जी ने बताया कि हिमांशु बंसल छात्रों के लिए बहुत श्रेष्ठ कार्य कर रहे हैं इसे छात्रों को बहुत अधिक लाभ मिलेगा।